www.dainikchingari.com
26 जनवरी 1950 को स्थापित
संस्थापक: बाबूसिंह चौहान
बिजनौर : शनिवार , 31 जनवरी , 2026
अंक- 98 मूल्य दो रुपये पृष्ठ 8

चिंगारी

संत शिरोमणि
रविदास जी
की जयंती की
हार्दिक शुभकामनाएं

फिर एक बार भाजपा सरकार

सबका साथ-सबका विकास-सबका विश्वास

भारत रत्न
बाबा साहब
भीमराव अम्बेडकर

मन चंगा तो कठौती में गंगा

नगीना लोकसभा क्षेत्र के समस्त
सभी भाईयों -बहनों को संत शिरोमणि

गुरु रविदास जी की

649 वीं जयंती पर हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई

आप सभी के प्रेम, आशीर्वाद एवं सहयोग से वर्ष 2012 से लगातार तीसरी बार विधायक के रूप में आपकी सेवा करने का सौभाग्य मुझे प्राप्त हुआ है। यह सब आप जनता जनार्दन का स्नेह और आशीर्वाद ही है। मै ईश्वर से कामना करता हूँ कि भविष्य में भी आप सभी का ऐसा ही मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद मुझे मिलता रहे, ताकि मै पूरी निष्ठा और ईमानदारी से क्षेत्र की सेवा करता रहूँ।

नहटौर विधान सभा क्षेत्र के महत्वपूर्ण विकास कार्य

1. 13 करोड़ की लागत से राजकीय आई.टी.आई निर्माण
2. 25 करोड़ की लागत से ग्राम सुंदरपुर कंपोजिट विद्यालय का निर्माण
3. शादीपुर नहटौर मार्ग नव निर्माण एंव चौड़ीकरण लगभग 17 करोड़ की लागत
4. 3 करोड़ की लागत से पाड़ली मांडू मे पुल का निर्माण कार्य
5. लगभग 4 करोड़ की लागत से जसमौरा में पुल का निर्माण कार्य
6. विधान सभा के प्रत्येक गांव में लगभग 9.10.00.000 की लागत से लगभग 700.800 लाइंटो की व्यवस्था
7. नहटौर करोड़ो की लागत से राजकिय बालिका ईण्टर कॉलेज (GGIC) का निर्माण
8. ग्राम बिलासपुर से कमालपुर मार्ग का नवनिर्माण कार्य लागत लगभग 1.25 करोड़
9. ग्राम नवादा चौहान मे 1.25 करोड़ की लागत से श्री गोरखनाथ मंदिर का नव निर्माण
10. 1.25 करोड़ की लागत अटे बाले मंदिर का नवनिर्माण
11. सल्लाहपुर से नसीरपुर से नेन सिंह तक लगभग 140 करोड़ की लागत से सड़क का निर्माण कार्य
12. लगभग 1,87,50,000 की लागत से यात्री शेड का निर्माण कार्य
13. लगभग 1,28,00,000 की लागत से स्वागत निर्माण कार्य
14. हल्दौर में 50 लाख से गुरू नानक भवन का निमाण कार्य
15. हल्दौर सें पैजनिया मार्ग का निमार्ण कार्य
16. मुख्यमंत्री राहत कोष से उपचार हेतू सेकड़ो को अर्थिक सहायता
17. मुख्यमंत्री त्वरित योजना के तहत करोड़ो की लागत से नहटौर विधास क्षेत्र में सड़को का निर्माण
18. विकास निधी से करोड़ो की लागत से नहटौर विधान सभा क्षेत्र में सड़को का निर्माण
19. लगातार विधान सभा क्षेत्र मे भ्रमण एंव जनता दर्शन
20. विधायक निधि से 5 लाख रूपये सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल नहटौर को सवांगीण विकास के लिए
21. विधायक निधी से 5 लाख रूपए सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल मटोरा मान मे सवांगीण विकास के लिए
22. नहटौर विधान सभा क्षेत्र के प्रतीभवागत खिलाड़ियो एंव कोच की सम्मानित किया
23. ग्राम अमहेड़ा में भव्य अमृत सरोवर का निर्माण कार्य तथा सरोवर पर विकास से हाई मास्क लाईट का निर्माण
24. ग्राम छजुपूरा से नसीरपुर तक करोड़ो की लागत से सड़क का निर्माण कार्य
25. ग्राम सल्लाहपुर में 1.93 करोड़ से सड़क का नवनिर्माण का कार्य
26. नहटौर में कूड़ा निस्तारण प्लांट लगभग 1 करोड़ की लागत से
27. नहटौर मे झील पार्क का सौर्दयकरण एंव सफाई का कार्य लगभग 1.86 करोड़ की लागत से
28. नहटौर में लगभग 1.65 करोड़ लागत से बरात घर का निर्माण कार्य
29 लगभग 96 लाख की लागत नहटौर मे पुस्तकालय का निर्माण

श्रीमती शोभा रानी
जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा, भाजपा बिजनौर

मा. ओम कुमार
विधायक, नहटौर
पूर्व भाजपा प्रत्याशी लोकसभा क्षेत्र नगीना

भारत-यूरोपीय संघ समझौता

सम्पादकीय

कांग्रेस नीत संप्रग सरकार को इस बात का श्रेय दिया जाना चाहिए कि उसने 2008 में ही यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू की थी, पर तत्कालीन परिस्थितियों के चलते यह वार्ता 2013 में टूट गई। यह वार्ता 2022 में पुनः शुरू हुई और बदलती हुई अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों, अंतरराष्ट्रीय आर्थिक-राजनीतिक अस्थिरता, चीन और अमेरिका द्वारा आर्थिक संबंधों के रणनीतिक प्रयोग तथा खासकर ट्रंप द्वारा दूसरे कार्यकाल में टैरिफ नीतियों से दुश्मनों और दोस्तों पर समान रूप से दबाव डालने के कारण इस प्रक्रिया में तेजी आई और 27 अगस्त को यूरोप के 27 देशों के साथ यह समझौता नई दिल्ली में हस्ताक्षरित हुआ। हालांकि, अभी यूरोपीय संसद तथा भारतीय संसद द्वारा समझौते की पुष्टि होने के साथ ही विस्तृत दस्तावेजों का यूरोप की सभी भाषाओं में अनुवाद और उसके विधिक परीक्षण की लंबी और जटिल प्रक्रियाओं का पालन होना है, पर भारतीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने आशा की है कि इस वर्ष के अंत तक यह समझौता प्रभावी हो जाएगा। भारत और यूरोपीय संघ के बीच इस समझौते को 'मदर आफ आल डील्स' कहा जा रहा है और इससे इसका महत्व स्वयं स्पष्ट हो जाता है।

इसके अंतर्गत भारत में यूरोप से आयातित लगभग 90 प्रतिशत वस्तुओं पर टैरिफ बहुत घटा दिया जाएगा या इसे शून्य कर दिया जाएगा। इसी प्रकार यूरोप के विशाल और समृद्ध बाजार में भारतीय वस्तुओं एवं सेवाओं पर भी टैरिफ बहुत घटाया या शून्य कर दिया जाएगा। भारत ने यह समझौता करते हुए अपने किसानों के हितों का पूरा ध्यान रखा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि यह 'समझौता भारत के किसानों, छोटे उद्योगों के लिए यूरोपीय बाजार तक पहुंच सुगम बनाएगा। निवेश बढ़ेगा, विनिर्माण क्षेत्र और सेवा क्षेत्रों में सहयोग और मजबूत होगा।' इस व्यापार समझौते के समय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ ही यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा तथा यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वान डर लेयेन की उपस्थिति ने सारी दुनिया में हलचल पैदा कर दी है। ये दोनों नेता भारत के 77वें गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि थे। भारत ने हाल ही में अनेक देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं जिससे दुनिया की चैथी सबसे बड़ी व सबसे तेजी से प्रगति करने वाली भारतीय अर्थव्यवस्था के कुछ ही सालों में दुनिया की सबसे बड़ी तीसरी अर्थव्यवस्था बनने का रास्ता साफ हो गया है। भारत ने इस समझौते के माध्यम से चीन को भी समुचित रणनीतिक जवाब दिया है जो अपनी आर्थिक स्थिति तथा मजबूत सप्लाई श्रृंखला के चलते भारत के साथ ही अनेक यूरोपीय देशों पर दबाव डालने का लगातार प्रयास करता रहा है। समझौते का रणनीतिक महत्व इस बात से भी उजागर होता है कि अमेरिका की आक्रामकता तथा चीन के दबाव का मुकाबला कर रहे यूरोप ने आर्थिक प्रगति तथा बाजार सुनिश्चित करने के मामले में भारत को वरीयता दी है। इस समझौते से भारत में यूरोपीय तकनीक व विशेषज्ञता के साथ ही बड़े पैमाने पर निवेश आएगा जिससे करोड़ों लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके साथ ही भारतीय छात्रों, विशेषज्ञों, कामगारों और उद्योगपतियों को यूरोप में अपना स्थान मजबूत करने में सहायता मिलेगी। भारत-यूरोपीय संघ समझौता ऐसे समय हुआ है जब पूरी दुनिया राजनीतिक अस्थिरता की शिकार है। एक ओर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ग्रीनलैंड पर सीधे कब्जा करना चाहते हैं तथा कनाडा को अपना 51वां प्रांत बनाने की बात कर रहे हैं, दूसरी ओर वे द्वितीय विश्व युद्ध के बाद बने 'नाटो' गठबंधन पर अपना वर्चस्व इस सीमा तक बनाना चाहते हैं जिससे यूरोपीय देश उनके पिट्ठू बन कर रह जाएं। अमेरिका ने पहले तो यूक्रेन को मुहरा बना कर रूस के खिलाफ युद्ध भड़काया, पर अब यूक्रेन के लगभग 20 प्रतिशत हिस्से पर रूसी कब्जे के बाद वह युद्ध समाप्त करवाने के लिए यूक्रेन को इसे रूस को सौंपने की परोक्ष बात कह रहा है। यूरोप के अनेक देशों को भय है कि यदि रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्त कराने के लिए यूक्रेन की संप्रभुता से समझौता किया गया तथा रूस को उसके कब्जे वाले क्षेत्र सौंप दिए गए तो व्लादीमिर पुतिन का हौसला बढ़ जाएगा और वे दूसरे यूरोपीय देशों को अपने दबाव में लाने का प्रयास करेंगे। हालांकि, यूरोप के अधिकांश देश आर्थिक और सैनिक रूप से अमेरिका से सहयोग पर निर्भर हैं और एक सीमा से आगे बढ़ कर वे उसका विरोध नहीं कर सकते हैं, लेकिन वे अपनी यूरोपीय 'पहचान' को इस सीमा तक कमजोर नहीं करना चाहते हैं कि पूरी तरह अमेरिका के पिट्ठू बन कर रह जाएं। कनाडा तथा अमेरिकी उप-महाद्वीप के अन्य देशों की तरह यूरोप के देश चीन से आर्थिक संबंध और व्यापार मजबूत करना चाहते हैं, पर वे चीन के 'ब्लैकमेल' से भी बचना चाहते हैं। वर्तमान समय में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप खुलेआम कनाडा व यूरोपीय देशों को चीन से आर्थिक संबंध बढ़ाने के खिलाफ धमकियां दे रहे हैं। ऐसी स्थिति में यूरोपीय देश दुनिया के सबसे तेज आर्थिक प्रगति कर रहे भारत के साथ संबंध मजबूत करना चाहते हैं। इस संबंध में इन तथ्यों को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता है कि चीन की जनसंख्या लगातार कम होने, उस पर बूढ़े लोगों का बोझ बढ़ने तथा उसकी आर्थिक प्रगति की गति लगातार धीमी पड़ने की प्रक्रियायें जारी हैं। इनके चलते भारत धीमे-धीमे ही सही, पर चीन का मजबूत प्रतिद्वंद्वी बन कर उभर रहा है और यूरोपीय देश इसका लाभ उठाना चाहते हैं। भारत-यूरोपीय संघ समझौता आम जनता के बीच बेहतर संबंधों के रूप में विकसित हो सकता है। यूरोप के अनेक देशों ने अपनी बुढ़ाती और लगातार घटती जनसंख्या के चलते मजबूरी में आप्रवासियों का स्वागत किया है, पर अब अनेक देशों से आने वाले खासकर अश्वेत व मुस्लिम आप्रवासी उसके लिए मुसीबत बनते जा रहे हैं। हालांकि, कुछ तत्व जानबूझ कर यूरोप, अमेरिका व सारी दुनिया में 'इस्लामोफोबिया' फैलाते हैं, पर इस तथ्य से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि कट्टरपंथी इस्लामवादी आप्रवासी अपनी खास पहचान और शरीया कानूनों के प्रति झुकाव के कारण यूरोपीय 'पहचान' को संकट में डाल रहे हैं। यूरोप के बजुर्ग लोगों को लगता है कि कट्टरपंथी आप्रवासियों के कारण उनके देशों में सदियों से जारी उदारवाद, लोकतंत्र, नास्तिकता तथा मानववादी मूल्यों को खतरा बढ़ता जा रहा है। इन स्थितियों के चलते जहां ब्रिटेन की उदारवादी सरकार ने भी आप्रवासियों के प्रति कठोर कानून बनाए हैं, वहीं फ्रांस की सरकार ने तो सार्वजनिक स्थलों पर धार्मिक पहचानों, जैसे बुरका, हिजाब आदि पर प्रतिबंध लगा दिया है। डेनमार्क तथा कुछ यूरोपीय देशों के 'नास्तिक कट्टरपंथी' धर्मों के विरुद्ध प्रचार करना अपना 'मानवाधिकार' मानते हैं और कट्टरपंथी इस्लामवादियों के खिलाफ प्रतिक्रिया स्वरूप पवित्र कुरान के अपमान जैसी घटनायें सामने आती हैं। ऐसे में प्रसन्नता की बात है कि हिंदू, सिख, बौद्ध, जैन, आदि धर्मानुयाइयों के प्रति विरोध की ऐसी घटनायें विरले ही होती हैं जो सभी भारत के प्रमुख धर्म हैं। भारत का हमेशा बहु-सांस्कृतिकता, लोकतंत्र, विविधता व विरोधी विचारों के प्रति सम्मान का दृष्टिकोण रहा है। यूरोप के भी अधिकांश देश और अधिकांश विचारक इन विचारों के वाहक रहे हैं। इन स्थितियों में भारत और यूरोप की जनता के बीच बेहतर होते संबंध दुनिया को हिंसा, टकराव, पर्यावरण प्रदूषण आदि समस्याओं से मुक्ति दिलाने में योगदान कर सकते हैं। भारत-ईयू व्यापार समझौता यह रास्ता खोलता है।

विशेष

महान समाज सुधारक सद्गुणी संत थे रविदास!

-डॉ श्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

परमात्मा भी जब जब धरा पर पाप बढ़ते है तो भारत मे ही साधारण तन में आकर जगत का कल्याण करते है।अवतरित संतो में एक महान संत हुए है गुरु रविदास जिनका जन्म उत्तर प्रदेश के वाराणसी के निकट सीर गोबर्धनगाँव में हुआ था। इनकी माता कलसा देवी व पिता संतोख दास थे,बहुत ही गरीबी में अपना जीवन यापन करते थे।लेकिन एक सरपंच के रूप में उनकी बहुत ख्याति भी थी।गुरु रविदास का जन्म सन1376-77 के आस पास हुआ था, ऐसा बताते है कुछ लोग सन 1399 में तो कुछ दस्तावेजों के अनुसार संत रविदास ने सन1450 से 1520 के बीच अपना जीवन इस धरा पर बिताया ।

गुरु रविदास के पिता जूते बनाने व पुराने जुते ठीक करने का काम करते थे। रविदास बचपन में बहुत कुशाग्र व भगवान् को मानने वाले एक अच्छे बालक रहे। उन्हें उच्च कुल वालों के कारण हीन भावना का शिकार होना पड़ता था, गुरु रविदास ने समाज को बदलने के लिए अपनी कलम का सहारा लिया, वे अपनी रचनाओं में अच्छे जीवन के बारे में लोगों को समझाते थे।लोगों को शिक्षा भी देते थे कि व्यक्ति को बिना भेदभाव के सबसे अपने समान प्रेम करना चाहिए। रविदास ने गुरु पंडित शारदा नन्द की पाठशाला में शिक्षा प्राप्त की। पंडित शारदा नन्द ने रविदास की प्रतिभा से प्रभावित होकर उन्हें भगवान द्वारा भेजा हुआ एक बच्चा बताया और उन्हें शिक्षा दी। रविदास एक प्रतिभाशाली और मेहनती छात्र थे, उनके गुरु जितना उन्हें पढ़ाते थे, उससे ज्यादा वे अपनी समझ से शिक्षा गृहण कर लेते थे।पंडित शारदा नन्द अपने शिष्य रविदास से बहुत खुश रहते थे, उनके आचरण और प्रतिभा को देख वे सोचा करते थे कि रविदास एक दिन उच्चकोटि का आध्यात्मिक गुरु और महान समाज सुधारक बनेगा।उनके गुरु की यह सोच संत रविदास के प्रतिष्ठित होने पर चरितार्थ भी हुई।

रविदास के साथ पाठशाला में पंडित शारदा नन्द का बेटा भी पढ़ता था, वे दोनों अच्छे मित्र थे। एक बार वे दोनों छुपन छुपाई का खेल रहे थे,रात हो जाने पर बच्चों ने अगले दिन फिर से खेलना तय किया। दुसरे दिन सुबह रविदास खेलने के लिए आ गए लेकिन उनका गुरुभाई मित्र नहीं आया। तब वे उसके घर गए तो पता चला कि रात को उनके मित्र की मृत्यु हो गई थी। यह पता चलते ही शोक में डूबकर रविदास सुन्न हो गए है, तब उनके गुरु शारदा नन्द उन्हें मृत मित्र के पास ले गए रविदास अपने मृत मित्र से कहते है कि ये सोने का समय नहीं है, उठो और मेरे साथ खेलो।यह सुनते ही उनका मृत मित्र पुन: जीवित होकर खड़ा हो गया। जिससे हर कोई अचंभित हो गया ।रविदास जैसे जैसे बड़े हुए भगवान राम के रूप के प्रति उनकी भक्ति बढ़ती गई। वे हमेशा राम, रघुनाथ, राजाराम चन्द्र, कृष्णा, हरी, गोविन्द आदि शब्दो का उपयोग करते थे,जो उनके धार्मिक होने का प्रमाण है।संत

रविदास उस समय की कृष्ण भक्त मीरा बाई के धार्मिक गुरु भी थे। मीरा बाई राजस्थान के राजा की बेटी और चित्तोर की रानी थी। वे रविदास की शिक्षा से बहुत प्रभावित थी और वे रविदास की एक बड़ी अनुयायी बन गई । मीरा बाई ने अपने गुरु के सम्मान में कुछ पक्तियां भी लिखी थी, 'गुरु मिलया रविदास जी..' । मीरा बाई अपने दादा के साथ रविदास से मिलती रहती थी।एक दिन बार संत रविदास अपनी कुटिया में बैठे प्रभु स्मरण के साथ अपना कार्य कर रहे थे, तभी एक ब्राह्मण उनकी कुटिया पर आया और उनसे बोला कि वह गंगा स्नान करने जा रहा है, रास्ते में आपकी कुटिया दिखाई दी तो दर्शन करने चला आया।

रविदास ने कहा कि आप गंगा स्नान करने जा रहे हैं, यह एक मुद्रा है, इसे मेरी तरफ से गंगा मैया को दे देना। ब्राह्मण जब गंगा तट पहुंचा और स्नान करके जैसे ही रुपया गंगा में डालने को उद्यत हुआ तो गंगा नदी में से गंगा मैया ने जल में से अपना हाथ निकालकर वह रुपया ब्राह्मण से ले लिया तथा उसके बदले ब्राह्मण को एक सोने का कंगन दे दिया।ब्राह्मण जब गंगा मैया का दिया कंगन लेकर लौट रहा था तो वह नगर के राजा से मिलने चला गया। ब्राह्मण को विचार आया कि यदि यह कंगन राजा को दे दिया जाए तो राजा बहुत प्रसन्न होगा। उसने वह कंगन राजा को भेंट कर दिया। राजा ने बहुत-सी मुद्राएं देकर उसकी झोली भर दी।

ब्राह्मण अपने घर चला गया। इधर राजा ने वह कंगन अपनी महारानी के हाथ में बहुत प्रेम से पहनाया तो महारानी बहुत खुश हुई और राजा से बोली कि कंगन तो बहुत सुंदर है, परंतु यह क्या एक ही कंगन है, क्या आप ऐसा ही एक और कंगन नहीं मंगा सकते? राजा ने अपनी रानी को ऐसा ही एक और कंगन मंगवा कर देने का भरोसा दिया। राजा ने उसी ब्राह्मण को खबर भिजवाई कि जैसा कंगन मुझे भेंट किया था वैसा ही एक और कंगन उन्हें तीन दिन में लाकर दो वरना राजा के दंड भोगना पड़ेगा। यह सुनते ही ब्राह्मण के होश उड़ गए। वह पछताने लगा कि मैं व्यर्थ ही राजा के पास गया,अब दूसरा कंगन कहां से लाऊं? वह रविदास की कुटिया पर पहुंचा और उन्हें पूरा वृत्तांत बताया कि गंगा ने आपकी दी हुई मुद्रा स्वीकार करके मुझे एक सोने का कंगन दिया था, वह मैंने राजा को भेंट कर दिया था। अब राजा ने मुझसे वैसा ही कंगन मांगा है, यदि तीन दिन में राजा को दूसरा कंगन नहीं दिया तो राजा उन्हें कठोर दंड देगा।

यह सुन संत रविदास ने अपनी वह कठौती उठाई जिसमें वे चर्म गलाते थे। उसमें जल भरा हुआ था।उन्होंने गंगा मैया का आह्वान कर अपनी कठौती से जल छिड़का तो गंगा मैया प्रकट हो गई।रविदास के आग्रह पर गंगा ने एक और कंगन ब्राह्मण को दे दिया। ब्राह्मण खुश होकर राजा को वह कंगन भेंट करने चला गया, ऐसे थे महान संत थे गुरु रविदास ।

'मन चंगा तो कठौती में गंगा'

संत रविदास की यह कहावत बहुत प्रसिद्ध है। इस कहावत के द्वारा संत रविदास मन की पवित्रता पर जोर देते हैं। सन्त रविदास कहते हैं, जिस व्यक्ति का मन पवित्र होता है, उसके बुलाने पर मां गंगा एक कठौती में भी आ जाती हैं।यह बात संत रविदास ने सिद्ध भी की।वही रविदास कहते है,

ब्राह्मण मत पूजिए जो होवे गुणहीन,
पूजिए चरण चंडाल के जो होने गुण प्रवीन।।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व विक्रमशिला हिंदी विद्यापीठ के उपकुलपति है)

दृष्टिकोण

राष्ट्र सर्वोपरि या धार्मिक और जातीय पहचान

-डॉ. सुधाकर आशावादी

लगता है कि भारत को षड्यंत्रकारी शक्तियों की बुरी नजर लग गई है। सबका साथ सबका विकास की बात करने वाले दिशानायक विघटनकारी नीतियों को लागू करके आम आदमी को जातियों में विभाजित करने जैसा कृत्य कर रहे हैं। जिस पर सत्य सनातन की रक्षा करने का दायित्व है, वह अपने पद के अहम् में स्वयं को आम आदमी समझने के लिए तैयार नहीं है। सियासी तत्व की तरह व्यवस्था एवं व्यवस्थापकों के विरुद्ध अनर्गल प्रलाप कर रहा है। उसके समर्थन में वे राजनीतिक दल भी आवाज उठाने में पीछे नहीं हैं, जिन्होंने कभी उनकी सनातन परम्पराओं को मान्यता नहीं दी, बल्कि अतीत में उनके साथ दुर्व्यवहार किया।

कहीं किसी दल का कोई पदाधिकारी किसी खास जाति के नेताओं के साथ बैठने पर आपत्ति व्यक्त करता है। कहीं किसी विभेदकारी प्रावधान पर वे लोग चुप्पी साधने पर विवश हो जाते हैं, जिनसे निष्पक्ष चिंतन की अपेक्षा रहती है। कहीं समाज को बांटने वाली विभेदकारी नीतियों के समर्थन में ऐसे तत्वों की भीड़ जमा हो जाती है, जो कभी अपने वैचारिक मूल्यों का निर्माण नहीं कर सकते। जिनका मानसिक स्तर इतना श्रेष्ठ नहीं रहा, कि वे अपना भला बुरा समझ सकें। आजादी के उपरांत से उन्हें आगे बढ़ने के अनेक अवसर मिले, किन्तु वे अपने पैरों पर खड़े होने में भी समर्थ नहीं हो सके।

स्थिति विकट है, जातिगत पूर्वाग्रह उनकी हीनता को समाप्त करने में समर्थ नहीं हैं, तिस पर अंध भीड़ को भ्रमित करने में ऐसे तत्व सक्रिय हैं, जिन्हें किसी भी तर्क से कोई सरोकार नहीं है। सच उन्हें स्वीकार्य नहीं है। विडंबना यह है, कि समाज में अलगाव उत्पन्न करने वाली प्रयोगशाला में आदमी आदमी के बीच वैमनस्यता उत्पन्न करने के लिए नए नए परीक्षण किए जा रहे हैं। कहीं किसी राजनीतिक दल में किसी दिशानायक की बढ़ती लोकप्रियता से उसी दल के अन्य लोग अपना कद ऊँचा करने के लिए औरों का कद घटाने में जुटे हैं।

कहने का आशय यह है, कि कोई भी अपने आप में संतुष्ट नहीं है। अपने अपने स्वार्थ सर्वोपरि हैं। देश कहीं पीछे छूट रहा है। ऐसे में हम अपनी भौतिक समृद्धि पर किस प्रकार गर्व का अनुभव करें,यह विचारणीय बिंदु हैं। कभी धार्मिक उन्माद और कभी जातीय भेदभाव से समाज में विघटन के बीज बोने जैसा कार्य देश को कहाँ ले जा रहा है ? यह आज चिंतन का विषय ही नहीं रहा।

शिक्षा संस्थानों में भारतीय होने की पहचान के स्थान पर जातीय पहचान स्थापित रखने के लिए प्रवेश प्रपत्रों में जातीय कॉलम क्या यह सिद्ध नहीं करते कि जातीय भेदभाव का प्रदर्शन जातीय कॉलम के माध्यम से ही होता है। ऐसे में मुख्य प्रश्न यही है, कि व्यक्ति के लिए राष्ट्र सर्वोपरि है या उसकी धार्मिक और जातीय पहचान ? **(विनायक फीचर्स)**

संत रविदास

सर्वधर्म समभाव समता के आधार रैदास संत।
आध्यात्म तत्वदर्शी ब्रह्मज्ञानी मर्मज्ञ बल वंत।।
छुआछूत पाखण्ड भेदभाव समूल किया अंत।
काशी गंगा तट जन्मे पवित्र निर्गुण रैदास संत।।
अष्टदलकमल पंचतत्त्वज्ञानी परम पूज्य संत।
ईश्वरीय प्रेम को समर्पित रहे सदा रैदास संत।।
आत्मिक पवित्रता की रचनाएँ रची रैदास संत।
जातीय विषमता जगत से मिटाई रैदास संत।।
तत्वज्ञान सिंचित किया जिज्ञासुओं में सदभाव।
हृदय प्रेम से लाखों जीवों की पार लगाई नाव।।
रग रग में रचा बसा प्रेम महारस भक्ति का चाव।
आध्यात्मिक उन्नति पवित्र आत्मानुभूति भाव।।
काम क्रोध लोभ मद मोह घृणा कुरीति मिटाई।
विलक्षण सिद्धियों की असीम क्षमता दिखाई।।
मानसिक चेतना जागृति की उपासना बताई।
ईश भक्तों को गहन रहस्यों की युक्ति सिखाई।।
निर्मल मन दिव्य गुणों में सिद्ध संत रैदास।
मन कर्म वचन में सात्विक है पावन संदेश।।
सदगुणी हृदयस्पर्शी जग प्रसिद्ध रैदास नाम।
संत शिरोमणि रैदास को वंदन नमन प्रणाम।।

-रवीन्द्र कुमार राणा
(साहित्यकार एवं प्रकृति प्रेमी)

सामयिकी

हडसन नदी में तैरती बर्फ, न्यूयॉर्क की सड़कों पर बर्फ के ढेर

-विवेक रंजन श्रीवास्तव

जनवरी की तेज़ शीत लहर के बाद हडसन नदी पर बर्फ की मोटी सिल्लियां तैर रही हैं, मानो पानी नहीं बल्कि सफेद संगमरमर की पट्टियाँ बह रही हों। न्यूयॉर्क और न्यू जर्सी के तट से दिखती यह नदी अब ठंड की भयावहता और दर्शनीयता का अजब दस्तावेज़ बन गई है। इन दिनों शहर की सड़कों पर जगह-जगह नमक या शक्कर के बूरे जैसे इकट्ठे किए गए ऊँचे ढेर हैं । जिनके बीच से स्नो प्लॉइंग मशीनें संकरी पट्टी बनाकर यातायात के लिए रास्ता निकाल रही हैं।

तेज़ तूफ़ानी बर्फबारी के बाद मैनहैटन व जर्सी सिटी की काँच की गगनचुंबी इमारतें धुंधली सफेद चादर में लिपटी दिखती हैं, जबकि हडसन पर जमी बर्फ को तोड़ते जहाज़ ठिठुरते आसमान के नीचे अपने लिए राह बना रहे हैं।

यह स्नो स्टॉर्म क्या है?

स्नो स्टॉर्म उस स्थिति को कहते हैं जब कम समय में तेज़ हवा के साथ भारी हिमपात हो और दृश्यता बहुत घट जाए, सड़कें-रेलमार्ग जाम हो जाएँ और सामान्य जीवन बाधित हो। न्यूयॉर्क क्षेत्र में ऐसे तूफ़ान प्राय: उत्तरी अटलांटिक से आने वाले लो-प्रेशर सिस्टम, जिन्हें नॉर'ईस्टर भी कहा जाता है, के कारण बनते हैं। इस बार के तूफ़ान में अमेरिका के कई राज्यों में एक फुट या उससे अधिक ऊंचाई की बर्फबारी दर्ज की गई है न्यूयॉर्क सिटी क्षेत्र में भी लगभग दर्जन भर इंच तक बर्फ जमी, जिससे स्कूलों को ऑनलाइन कक्षाएँ चलानी पड़ीं और हज़ारों हवाई उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। हडसन के किनारे होबोकेन और जर्सी सिटी से दिखने वाला नदी का जमी हुई सतह जैसा दृश्य इसी व्यापक बर्फबारी और लम्बे समय तक माइनस तापमान का संयुक्त नतीजा है। वैज्ञानिक दृष्टि से आम वर्षा और हिमपात की बुनियाद एक ही है, नम हवा ऊपर उठती है, ठंडी होती है, उसमें मौजूद जलवाष्प संघनित होकर बादल बनाता है और फिर तापमान के अनुसार बूंद या क्रिस्टल के रूप में गिरता है। जब बादल के भीतर और ज़मीन के पास का तापमान शून्य से नीचे हो, तो जल कण बर्फीले क्रिस्टल बन जाते हैं, यही हिमकण या स्नोफ्लेक्स कहलाते हैं। अमेरिका के उत्तर-पूर्व में, खासकर ग्रेट लेक्स और अटलांटिक के प्रभाव वाले क्षेत्रों में, बेहद ठंडी और अपेक्षाकृत सूखी हवा जब अपेक्षाकृत गर्म झीलों या समुद्र के ऊपर से गुजरती है, तो पानी से उठती नमी उसे गाढ़ा कर देती है और घने बर्फीले बादल तैयार होते हैं। इसे लेक-इफेक्ट स्नो कहा जाता है, जो संकरी पट्टियों में बहुत तेज़ बर्फ गिरा सकता है, यानी एक इलाक़ा साफ़ और कुछ मील दूर का इलाक़ा बर्फ से पटा हो सकता है। इस समय पूर्वी अमेरिका पर जेट स्ट्रीम में गहरा झुकाव देखा गया, जिसने कनाडा की दिशा से अत्यंत ठंडी हवा को पूर्वी तट की तरफ धकेला और उसी के साथ महासागर पर बना निम्न दबाव तंत्र न्यूयॉर्क की ओर मुड़कर तेज़ हिमपात का कारण बना। लगातार कई दिनों तक तापमान शून्य से नीचे रहने से न सिर्फ़ ज़मीन, बल्कि हडसन जैसी ज्वारीय नदी की सतह पर भी बड़े-बड़े बर्फीले तैरते टुकड़े बन गए। पर्यटकों के लिए यह स्नो फॉल प्रारंभिक मजे और आकर्षण का विषय हो सकता है, किन्तु लगातार बर्फबारी कुदरत का कहर ही है।

हडसन नदी की बर्फ और शहर की चुनौतियाँ

हडसन नदी पूरी तरह झील की तरह ठोस नहीं जमती, लेकिन उसके ऊपरी हिस्सों में जमी मोटी बर्फ नीचे की ओर बहकर न्यूयॉर्क महानगर के सामने वाले हिस्से में आकर तैरती दिखती है। नदी की ज्वार-भाटा और तेज़ धारा इन बर्फीले टुकड़ों को आगे-पीछे हिलाती रहती है, जिससे पानी की सतह पर आजकल चलती-फिरती सफेद पट्टियों जैसा दृश्य दिखाई दे रहा है। जहाज़ों और फेरी सेवाओं के लिए यह बर्फ चुनौती बन जाती है, इसलिए कई बार आइस-ब्रेकिंग नौकाएँ रास्ता बनाती हैं ताकि आवश्यक जल यातायात जारी रह सके। दूसरी ओर शहर के भीतर, सड़कों पर जमी मोटी बर्फ को हटाने के लिए सैकड़ों स्नो प्लॉज और साल्ट-स्प्रेडर मशीनें तैनात कर दी जाती हैं, जो लगातार सड़क पर जमी बर्फ को धकेलकर किनारों पर ढेर बना देती हैं। बर्फ बारी की मौसमी अनुमान के साथ ही रातों रात चुस्त नागरिक व्यवस्था सड़कों पर खड़े नमक का छिड़काव करती हैं, जिससे बर्फ स्थाई सतह न बना सके तथा उसे अपेक्षाकृत कम मेहनत से हटाया जा सके । इन सफेद ढेरों के बीच पैदल चलने वालों, साइकिल चालकों और वाहनों के लिए मार्ग बनाना प्रशासन की उच्च प्राथमिकता होती है, क्योंकि बर्फ जम जाने पर उस पर चलना फिसलन भरा और दुर्घटनाग्रस्त होने की दृष्टि से बेहद ख़तरनाक हो जाता है।

सार संक्षिप्त

प्रिंसिपल पर दो छात्रों की चोटी कटवाने का आरोप

किरतपुर (चिंगारी)। एक युवक ने गांव छितावर स्थित एक पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य पर दो छात्रों की चोटी कटवाने का आरोप लगाया है। अन्य छात्रों को भी चोटी न रखने की हिदायत दी है। उसने आरोप लगाते वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है। वीडियो पर पुलिस द्वारा संज्ञान लेने पर स्कूल के प्रधानाचार्य और छात्रों के परिजनों से बातचीत की गई। छात्रों के परिजनों ने कोई भी आरोप स्कूल पर नहीं लगाया। हालांकि प्रधानाचार्य का कहना है कि छात्रों को बाल छोटे रखने और अनुशासन में रहने की बात कही गई थी। चोटी कटवाने की बात निराधार है। सीओ नीतेश कुमार का कहना है कि इस मामले में दोनों पक्षों से बात की गई। पुलिस हस्तक्षेप के बाद दोनों पक्षों में फैसला हो गया है।

दो वरिष्ठ पत्रकारों के निधन पर शोक जताया

नजीबाबाद (चिंगारी)। नगर के पत्रकारों ने पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में एक शोक सभा का आयोजन किया। जिसमें भागूवाला निवासी वरिष्ठ पत्रकार महावीर सिंह व धामपुर निवासी वरिष्ठ पत्रकार खुर्शीद अंसारी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया गया। शोक सभा में पत्रकारों ने कहा कि दो वरिष्ठ पत्रकारों के निधन से पत्रकारिता जगत को हानि हुई है, जिसकी पूर्ति नहीं की जा सकती है। शोक सभा में वरिष्ठ पत्रकार इरफान अंसारी, नौशाद मुल्तानी, अवधेश शर्मा, शाकिर अली, विपिन ठाकुर, अनिल सक्सेना, आकिफ हुसैन उर्फ अक्की, शेर खान, सूरज कुमार, गुलजार कुरैशी, सुनील कुमार, खिजर अहमद, सपना वर्मा आदि मौजूद रहे।

छितावर में हुआ विराट हिंदू सम्मेलन

किरतपुर (चिंगारी)। क्षेत्र के ग्राम छितावर स्थित सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में गुरुवार को विराट हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने भाग लिया। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य भारतीय हिन्दू संस्कृति के संरक्षण, सामाजिक समरसता, नागरिक कर्तव्य, स्व का बोध, पर्यावरण संतुलन तथा राष्ट्रनिर्माण में समाज की भूमिका पर जागरूकता बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम का शुभारंभसरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रमोद एडवोकेट ने की तथा संचालन शिवकुमार ने किया। अनिल प्रांत प्रचारक आरएसएस मेरठ प्रांत ने कहा कि हिंदू संस्कृति केवल आस्था नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक समग्र पद्धति है,जिसमें प्रकृति के प्रति सम्मान, परिवार केंद्रित जीवन और वसुधैव कुटुंबकम की भावना निहित है। डॉ. सुमेधा संस्थापिका, गुरुकुल चोटिपुरा अमरोहा ने भारतीय परिवार प्रणाली को समाज की सबसे मजबूत इकाई बताया गया। बदलती जीवनशैली और पाश्चात्य प्रभाव से इन मूल्यों के क्षरण पर चिंता व्यक्त करते हुए परिवारों में संवाद और संस्कारों को सुदृढ़ करने की अपील की। लक्ष्मण बिष्ट क्षेत्रीय मंत्री विद्या भारती ने जल संकट, बढ़ता प्रदूषण, प्लास्टिक उपयोग और वृक्षों की कटाई को गंभीर समस्या बताते हुए जल संरक्षण, स्वच्छता और वृक्षारोपण को जनआंदोलन बनाने की बात कही गई। अन्य वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों और राष्ट्रभक्ति की भावना विकसित करना है। सम्मेलन में मुख्य रूप से जयपाल, लाला रत्न, सतेंद्र, अशोक, वैभव, टीकम, कल्याण, रमेश, विवेक, तेजपाल, प्रदीप आदि रहे।

नशे में धुत्त युवती ने सड़क पर किया हंगामा

बिजनौर (चिंगारी)। डीएम कम्पाउंड के सामने शुक्रवार देर शाम शराब के नशे में धुत एक युवती द्वारा सड़क पर हंगामा करने का मामला सामने आया है। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। शुक्रवार की देर शाम एक युवती दो युवकों के साथ स्कूटी से जा रही थी। जैसे ही वे डीएम कम्पउंड (मिशन) पर पहुंचे, उनकी स्कूटी की सामने से आ रही एक बाइक से टक्कर हो गई। टक्कर के बाद मौके पर मौजूद लोगों ने युवकों को पकड़ लिया। इसी दौरान आरोप है कि युवकों

ने भीड़ में किसी व्यक्ति की जेब से 5 हजार रुपये निकाल लिए। हंगामा बढ़ता देख दोनों युवक मौके से फरार हो गए, जबकि युवती वहीं मौजूद रही। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार युवती शराब के नशे में थी और वह लोगों से गाली-गलौज करने लगी, जिससे स्थिति और तनावपूर्ण हो गई। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने युवती को समझाने का प्रयास किया, लेकिन हंगामा बढ़ता देख महिला पुलिस को बुलाया गया। महिला पुलिस ने युवती को अपने साथ थाने ले जाकर आवश्यक कार्रवाई की। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है एवं युवती के विरुद्ध उचित धाराओं में चालान किया जाएगा।

एक की मौत व तीन की हालत बिगड़ने के बाद शराब की दुकान सील

मौके पर मिली शराब व बीयर को जांच के लिए भेजा

नजीबाबाद (चिंगारी)। स्थानीय पुलिस प्रशासन ने शराब पीने व चिकन खाने के बाद एक युवक की मौत व तीन की हालत बिगड़ने की घटना के बाद एक शराब की दुकान को सील कर दिया था। साथ ही पुलिस ने शराब व बीयर के नमूनों को जांच के लिए भेजा था। पुलिस का दावा है कि जांच के दौरान शराब में विषाक्त पदार्थ की पुष्टि नहीं हो सकी है। पुलिस ने बताया कि मालगोदाम स्थित कंपोजिट शराब की दुकान से चार दोस्तों नौशाद, अफसार, कामरान व चंद्रप्रकाश ने शराब खरीदी थी। जिसके बाद घटनास्थल पहुंची आबकारी विभाग की टीम ने जांच रिपोर्ट आने तक के लिए शराब की दुकान को सील कर दी थी। पुलिस ने घटनास्थल से बरामद शराब व बीयर की मेरठ की प्रयोगशाला में जांच

आबकारी विभाग द्वारा सील की गई शराब की दुकान।

कराई। सीओ नितेश प्रताप सिंह ने बताया कि आबकारी विभाग की जांच में शराब व बीयर सामान्य पाई गई हैं। विभाग का दावा है कि इसमें विषाक्त तत्व नहीं पाए गए। घटनास्थल से लिये गये नमूने की फॉरेंसिक जांच कराई जा रही है। उल्लेखनीय है कि रेलवे स्टेशन मार्ग पर जलालाबाद निवासी नौशाद की बैग व बच्चों की साइकिल की दुकान है। पास में ही कामरान की इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान है। गुरूवार की देर शाम दुकान बंद करने के बाद नगर के चार दोस्तों जलालाबाद निवासी नौशाद, रम्पुरा निवासी अफसार व कामरान तथा जोगीरम्पुरी निवासी चंद्रप्रकाश ने पार्टी कर शराब व चिकन का सेवन किया था, जिसके बाद चारों की हालत बिगड़ गई थी, जिसमें नौशाद की मौत हो गई थी।

स्टेशन रोड मार्केट बंद रहा

नजीबाबाद (चिंगारी)। कस्बा जलालाबाद के मौहल्ला प्रेमनगर निवासी व्यापारी नौशाद स्टेशन रोड पर बैग व बच्चो की साईकिल बेचने की दुकान करता था। उसकी पार्टी में शराब व चिकन का सेवन करने के बाद हालत बिगड़ने पर मौत हो गई थी। जिसकी मौत के शोक में कल स्टेशन रोड की मार्केट बंद रही। पोस्टमार्टम के बाद उसका शव घर पहुंचने पर कोहराम मच गया। कस्बे के कब्रिस्तान में व्यापारी नौशाद को शुक्रवार की देर शाम सुपुर्द-ए-खाक किया गया। विधायक हाजी तसलीम अहमद, जलालाबाद के पूर्व चेयरमैन मौ. याकूब राईन, भाजपा नेता राजीव अग्रवाल, व्यापारी नेता शाहिद सिद्दीकी, मोनू टाटा, मौ. जाकिर, नफीस अहमद सहित बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उसके जनाजे में शामिल हुए।

सत्यम डायग्नोस्टिक सेंटर पर धरना जारी

बिजनौर (चिंगारी)। बिजनौर के नजीबाबाद रोड स्थित सत्यम डायग्नोस्टिक सेंटर पर कर्मचारियों का धरना पांचवें दिन भी जारी रहा। धरनारत कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर पुलिस कप्तान बिजनौर से मुलाकात कर एक ज्ञापन सौंपा। कर्मचारियों का आरोप है कि वे पिछले दो वर्षों से अधिक समय से कार्यरत हैं, लेकिन उन्हें अब तक न तो जॉइनिंग लेटर दिया गया और न ही एक्सपीरियंस लेटर। आरोप है कि सेंटर प्रबंधन ने बिना किसी सूचना और नोटिस के केंद्र बंद करने का निर्णय लिया, जिससे करीब 25 कर्मचारियों की आजीविका पर संकट खड़ा हो गया है। इनमें पुरुष व महिला कर्मचारी शामिल हैं। कर्मचारियों का कहना है कि सेंटर प्रबंधन द्वारा भारतीय श्रम कानूनों का उल्लंघन किया जा रहा है। मानकों के विपरीत उन्हें मात्र 6 से 7 हजार रुपये वेतन दिया जा रहा है,

जबकि न्यूनतम वेतन, ईएसआई और बीमा जैसी सुविधाएं भी नहीं दी जा रही हैं। पीपल्स यूथ फ्रंट के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गौरव धीमान ने कहा कि वेतन की चोरी कानूनन अपराध है और निजी संस्थानों में हो रहे श्रमिक शोषण पर शासन-प्रशासन की चुप्पी भी चिंता का विषय है। धरनारत कर्मचारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक उन्हें मानकों के अनुसार पूरा वेतन और अधिकार नहीं मिल जाते, तब तक धरना जारी रहेगा।

श्री गुरु सिंह सभा ने डीएम को सम्मानित किया

धामपुर (चिंगारी)। गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा धामपुर की प्रबंध समिति के अध्यक्ष स. अमरजीत सिंह एड., उपाध्यक्ष स. त्रिलोचन सिंह चावला, सचिव स. गुरचरण सिंह चावला, सहसचिव स. कुलदीप सिंह रोमी तथा स. इंद्रजीत सिंह सोनू, स. गगनदीप सिंह चावला ने आज बिजनौर में जिलाधिकारी श्रीमती जसजीत कौर को राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू द्वारा सम्मानित किये जाने पर बधाई दी और उन्हें सम्मानित किया। कहा कि डीएम को राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित किया जाना बिजनौर जनपद के लिये गौरव की बात है।

आज विश्व को शान्ति की आवश्यकता- चैतन्यपुरी

धामपुर (चिंगारी)। श्री हरि कृपा पीठाधीश्वर स्वामी श्री हरि चैतन्य पुरी जी महाराज ने कहा कि विश्व शान्ति के अग्रदूत भारतवर्ष में आज अशांति दुर्भाग्यपूर्ण व चिंता का विषय है। अशांति के घटक ना बनें शांति का साम्राज्य स्थापित करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दें। स्वामी जी गुरुवार को धामपुर शुगर मिल मार्ग स्थित जयप्रकाश शर्मा के आवास पर भक्तों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आज सारे विश्व को शान्ति की आवश्यकता है । शान्ति मिलती है परन्तु दुर्भाग्यवश हम उसे स्थापित नहीं कर पाते । सुख और शान्ति विचारों में है, संतों व गुरुओं की शरण में है । यदि इंद्रियों पर नियंत्रण न हुआ तो भी हम शान्ति प्राप्त नहीं कर सकते। हम चाहें तो अपनी ग़लतियों से भी सीख सकते हैं, नहीं तो साक्षात परमात्मा भी आ जाए तो हम उनसे भी कुछ नहीं सीख सकते। उन्होंने कहा कि मानव के जीवन पर संगति का प्रभाव अवश्य पड़ता है। इसलिए अच्छा देखो, अच्छा सुनो, अच्छा बोलो, अच्छा विचारों, अच्छा संग करो। शांति को जीवन में प्रमुखता से स्थान दो। अशांत व्यक्ति को कहीं भी सुख नहीं मिलता। उन्होंने कहा जिसके जीवन में करुणा, क्षमा, उदारता, कोमलता सेवा, परोपकार, परमार्थ है वह संत है। उन्होंने कहा कि श्रेष्ठ महापुरुषों का संग व उनकी सेवा करके अपने जीवन को कल्याणमय बनाएं। क्योंकि सत्पुरुषों का आचरण व कार्य सदैव अनुकरणीय होता है। स्वामी श्री हरि चैतन्य पुरी जी महाराज का स्वागत करने वालों में जयप्रकाश शर्मा, संजीव कुमार, विजय शर्मा, मनोज कात्यायन, पराग गुप्ता, विजय छाबड़ा सहित अनेक श्रद्धालु महिला

कार्यालय नगर पंचायत झालू, जनपद-बिजनौर

पंत्राक: 619/न.पं. झालू/2025-26 दिनांक : 30/01/26

सार्वजनिक नीलामी सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत झालू, जनपद-बिजनौर में कान्हा पशु आश्रय के गोबर व आम के पेड़ों की फसल की नीलामी 01.04.2026 से 31.03.2027 तक के लिए दिनांक 05/02/2026 को समय प्रात: 11:00 बजे कार्यालय नगर पंचायत झालू में सर्वजनिक बोली द्वारा नीलाम किये जायेगें। इच्छुक ठेकेदार नियत समय बोली में भाग लें। जिनका विवरण निम्न प्रकार है।

क्र. स.	गोबर	नीलाम तिथि	समय	जमानत राशि	कब से कब तक
1	2	3	4	5	6
1.	कान्हा गौ आश्रय के गोबर की नीलामी	05/02/2026	11:00 बजे	50,000	01-04-2026 से 31-03-2027
2.	खसरा संख्या-769 में खड़े आम के पेड़ों की फसल की निलामी	05/02/2026	11:00 बजे	5000.00	02-02-2026 से 31-03-2028

महत्वपूर्ण शर्तें:-

1-नगर पंचायत के बकायेदारों को बोली बोलने का अधिकार नहीं होगा।

2-उच्चतम बोलीदाता को शासन द्वारा निर्धारित देय स्टाम्प पर अपने व्यय से अनुबन्ध कराना होगा।

3 -बोली बोलने से पूर्व निर्धारित जमानत राशि नकद जमा करनी होगी।

4-ठेके की बोली समाप्त होने के तुरन्त बाद 1/4 धन जमा करना होगा तथा शेष धनराशि एक सप्ताह के अन्दर नकद जमा करनी होगी, यदि जमा नहीं की तो जमानत धनराशि जब्त कर पुन: नीलाम किया जायेगा।

5-जमानत राशि वही व्यक्ति जमा करेगा जो बोली में भाग लेगा अन्यथा जमा की गई जमानत धनराशि नगर पंचायत हित में जब्त कर ली जायेगी।

6-उपरोक्त के अतिरिक्त शर्तें कार्यालय दिवस में कार्यालय में देखी जा सकती हैं।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत झालू
जनपद-बिजनौर

अध्यक्ष
नगर पंचायत झालू
जनपद-बिजनौर

कांवड़ यात्रा को सुरक्षात्मक, सुविधाजनक एवं शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने को जिला प्रशासन प्रतिबद्ध : जिलाधिकारी

बिजनौर (चिंगारी)। जिलाधिकारी जसजीत कौर ने कहा कि जिला प्रशासन आगामी महाशिवरात्रि कांवड़ यात्रा को परम्परागत रूप से सुरक्षात्मक, सुविधाजनक एवं शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी संबंधित विभागीय अधिकारियों को कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने सड़क से सम्बन्धित सभी कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारियों को कड़े निर्देश दिये कि कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले कांवड़ यात्रियों के गुजरने वाली सड़कों पर गड्ढा नहीं मिलना चाहिए और न ही सड़क पर पानी एवं गंदगी पाई जानी चाहिए।

उन्होंने अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देश दिये कि कांवड़ यात्रा गुजरने वाले किसी स्थान पर भी बिजली के तार न तो लटके हुए पाए जाएं और न ही कोई खंबा झुकी हुई अवस्था में पाया जाए। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा के दौरान यात्रा मार्गो पर प्रकाश की समुचित व्यवस्था उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिये कि कांवड़ यात्रा के दौरान मोटा महादेव एवं भागूवाला चैक पोस्ट पर अलग-अलग एम्बुलेंस की व्यवस्था की जाए तथा मुख्य स्थानों पर चिकित्सकों की टीमें भी उपलब्ध रहें।

जिलाधिकारी शुक्रवार को मोटा महादेव मंदिर के प्रांगण में आगामी महाशिवरात्रि कांवड़ यात्रा को पूर्ण रूप से शांतिपूर्वक एवं सुरक्षात्मक रूप से सम्पन्न कराने के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए अपने विचार व्यक्त कर रही थीं। उन्होंने वन एवं पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि कांवड़ यात्रा से गुजरने वाले गुलदार प्रभावित मार्गो पर वन विभाग एवं संबद्ध अधिकारियों के मोबाइल नंबर सहित विशेष सांकेतिक साइन बोर्ड लगवाएं ताकि किसी आपदा की स्थिति में तत्काल उनसे संपर्क कर सहायता प्राप्त की जा सके। उन्होंने नेशनल हाईवे, पीडब्ल्यूडी एवं पुलिस अधिकारियों को निर्देश दिये कि कांवड़ यात्रियों के आवागमन के रास्ते में पड़ने वाले पड़ावों की जानकारी, कांवड़ यात्रा में लगने वाले पुलिस बल, रुट डायवर्जन की तैयारियों की समीक्षा कांवड़ यात्रा प्रारम्भ होने के पूर्व ही सुनिश्चित कर लें, जिससे यात्रा के समय कोई दिक्कत आने की संभावनाएं न रहने पाए। उन्होंने निर्देश दिये की कांवड़ यात्रा मार्ग के सभी ढाबों पर रेट लिस्ट लगवाना सुनिश्चित करें।

सोशल मीडिया पर पैनी नज़र रखी जाएगी : एसपी

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा ने निर्देश दिये कि कांवड़ यात्रा के दौरान असामाजिक तत्वों को सांप्रदायिक तनाव फैलाने वाली अफ़वाहें रोकने के लिए व्हाट्सएप ग्रुप और सोशल मीडिया पर पैनी नज़र रखी जाएगी। उन्होंने यह भी निर्देश दिये कि कंवाड़ियों की सेवा के लिए जो शिविर स्थापित किये जा रहे हैं, उनमें सीसीटीवी कैमरों की व्यवस्था सुनिश्चित करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन अंशिका दीक्षित, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर कौशलेंद्र सिंह, एसडीम नजीबाबाद शैलेंद्र सिंह, नगीना विजय शंकर एवं क्षेत्राधिकारी पुलिस सहित समस्त संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहे।

15 फरवरी को होने वाले क्रांति महासम्मेलन में प्रतिभाग करेंगे डिप्लोमा फार्मासिस्ट : राजेश रवि

बिजनौर (चिंगारी)। डिप्लोमा फार्मासिस्ट एसोसिएशन कार्यालय पर निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसमें सर्वप्रथम चीफ फार्मासिस्ट सत्येंद्र कुमार अमोली का प्रभारी अधिकारी फार्मेसी में प्रोन्नति होने पर संगठन की ओर से सभी सदस्यों द्वारा माल्यार्पण एवं अंगवस्त्र प्रदान कर स्वागत किया गया। बैठक में जिलाध्यक्ष राजेश कुमार रवि एवं जिला मंत्री संजय कुकरेती ने कहा कि पुरानी पेंशन हमारा संवैधानिक अधिकार है जिसके लिए हम अटेवा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर संघर्षरत हैं। आगामी 15 फरवरी को इंदिरा बाल भवन बिजनौर में पुरानी पेंशन बहाली क्रांति महासम्मेलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें हम अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सम्मेलन को सफल बनाने का कार्य करेंगे। सत्येंद्र कुमार अमोली प्रभारी अधिकारी फार्मेसी ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए संगठन की एकता बनाए रखने और 15 फरवरी को पुरानी पेंशन बहाली क्रांति महासम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने का आह्वान किया। बैठक में आनंद प्रकाश, सुधीर कुमार, निपेंद्र कुमार, विनोद सैनी, सोनू कुमार, राजकुमार, वैभव गुप्ता, गौरव कुमार, विकास कुमार, अतहर, अरशद, रितिक कुमार, तमन्ना, देशराज, इसरार आदि ने विचार व्यक्त किये।

किशोरी से दुष्कर्म करने वाला भुगतेगा 20 साल की सज़ा

बिजनौर (चिंगारी)। किशोरी से दुष्कर्म करने के मामले में पोक्सो कोर्ट की स्पेशल न्यायाधीश कल्पना पांडे ने हीमपुर क्षेत्र के सौरभ को दोषी पाते हुए 20 साल की कठोर सजा से दंडित किया। अदालत ने दोषी सौरभ पर 40 हजार रुपए का जुर्माना लगाया। एडीजीसी भालेंद्र राठौर ने बताया कि हीमपुर दीपा थाना क्षेत्र की एक महिला ने रिपोर्ट दर्ज कराई, जिसमें बताया कि 23 जून 2023 की शाम को उसकी 15 वर्षीया बेटी घर पर अकेली थी, तभी उसके गांव का 23 वर्षीय पड़ोसी युवक सौरभ पुत्र कृपाल उसके घर में घुस गया। आरोपी सौरभ ने किशोरी को अकेला देखकर उसके साथ दुष्कर्म किया। जब पीड़िता की माता घर पर पहुंची तो, आरोपी ने महिला को धक्का दिया और भाग गया। किशोरी ने सारी बातें अपनी मां को बताई थीं। पुलिस ने अभियोग दर्ज कर तफ्तीश करते हुए पीड़िता के बयान लेकर मजिस्ट्रेट के समक्ष उसके कलमबंद बयान दर्ज कराये और आरोपी सौरभ को जेल भेज दिया। अदालत ने सोमवार को अपने निर्णय में तर्क दिया कि बालिकाओं पर हो रहे लैंगिक हमले में आरोपियों को दंडित करके समाज में यह संदेश दिया जाए कि बालक/बालिका हमारे देश की एक बेशकीमती मानवीय संसाधन है। वे देश के भविष्य हैं। बालिकाओं पर हो रहे अत्याचार में आरोपियों को दंडित किया जाना न्याय उचित है।

रविदास लीला का शुभारंभ किया

नांगल सोती (चिंगारी)। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के प्रदेश कोर कमेटी सदस्य भीमसैन हल्दिया ने ग्राम जीतपुर खास में सन्त शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज की लीला का फीता काटकर उद्घाटन किया। तत्पश्चात भीमसैन हल्दिया ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के आदर्शों, सिद्धांतों पर चलकर कोई भी व्यक्ति अपने जीवन को समाज के लिये उपयोगी और महान बना सकता है। ऐसे संत धरती पर कभी-कभी ही जन्म लेते हैं। उन्होंने भक्ति की परम सीमा को प्राप्त किया था। मुकेश कुमार, अनिल कुमार, आशीष जाटव, यशवर्धन, अश्वनी कुमार, ऋतुल कुमार, डा. टीकम सिंह, आकाश कुमार आदि उपस्थित रहे।

अफ़ज़लगढ़ के युवक की दिल्ली में मकान की छत से गिरकर मौत

अफजलगढ़ (चिंगारी)। नगर के मोहल्ला नेजो सराय निवासी स्वर्गीय साबिर उर्फ बुन्दु सलमानी का 26 वर्षीय पुत्र शादाब दिल्ली स्थित उत्तम नगर में अपने मामा के घर के पास रहकर हेयर कटिंग सैलून की दुकान पर काम करता था। वह पिछले कई दिनों से लापता था, उससे फोन पर भी कांटेक्ट नहीं हो पा रहा था। बुधवार की रात्रि वह अचानक अपने मामा शमीम अहमद के दिल्ली स्थित घर पर पहुंचा और गुरुवार की तड़के लगभग 5 बजे वह कहीं जाने के लिए उठा। मामा ने उसे रोकने की काफी कोशिश की, लेकिन वह नहीं माना। वह बालकनी की तरफ गया और दो मंजिला मकान की बालकनी से नीचे जा गिरा। उसके मामा, ममेरे भाई व अन्य लोग एंबुलेंस में उसे दिल्ली स्थित एक अस्पताल ले गए, जहां 24 घंटे चले उपचार के बाद शुक्रवार को प्रातः 5 बजे शादाब को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। शादाब के ममेरे भाई समीर व दिल्ली में रह रहे उसके चाचा नासिर सलमानी ने बताया कि वह कुछ समय से मानसिक रूप से परेशान था। शादाब की मौत से परिवार में कोहराम मच गया।

टीईटी पीड़ा सुन जयंत चौधरी बोले शिक्षकों के साथ हूं

टेट की अनिवार्यता के ख़िलाफ़ शिक्षकों ने जयंत चौधरी को सौंपा मांग-पत्र

बिजनौर (चिंगारी)। टीईटी परीक्षा पर सुप्रीम कोर्ट के आदेश से प्रदेश व देश के सेवारत शिक्षक असहज हैं। प्रदेश में दो लाख शिक्षक तथा पूरे देश में करीब 22 लाख शिक्षक टेट की अनिवार्यता के खिलाफ आंदोलन की डगर पर हैं। शुक्रवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेंद्र कुमार तथा ब्लॉक अध्यक्ष अरविंद चौधरी के नेतृत्व में शिक्षकों का एक डेलिगेशन केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री चौधरी जयंत सिंह से दिल्ली में उनके निवास पर मिला। शिक्षकों ने चौधरी जयंत सिंह को टीईटी की अनिवार्यता के अंतर्गत आ रही परेशानियों से अवगत कराया। चौधरी जयंत सिंह ने शिक्षकों के प्रकरण को सुना है। उन्हें उम्मीद है कि अब जल्द ही कोई रास्ता निकलेगा। दूसरी ओर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष भूपेंद्र कुमार चौहान तथा जिला मंत्री प्रशांत सिंह ने बताया कि टेट की अनिवार्यता पर संघ शिक्षकों की मांगों के समाधान के लिए प्रयासरत है। जब तक शिक्षक टेट की अनिवार्यता से मुक्त नहीं हो जाते आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने बताया कि टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिनेशचंद्र शर्मा के नेतृत्व में शिक्षक हितों की लड़ाई को मजबूती से लड़ा जा रहा है।

नहीं रहे लाला पुष्पेन्द्र अग्रवाल

झालू (चिंगारी)। श्री रामलीला समिति झालू के अध्यक्ष लाला पुष्पेंद्र अग्रवाल का लंबी बीमारी के चलते शुक्रवार को निधन हो गया। वे करीब 82 वर्ष के थे। मोहल्ला महाजानान निवासी पुष्पेंद्र अग्रवाल पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। तबीयत खराब होने पर परिजन उन्हें गुरुवार की रात्रि बिजनौर के एक अस्पताल में ले गये, जहां पर उनका निधन हो गया। पुष्पेंद्र अग्रवाल नगर में धार्मिक आयोजनों को सशक्त और व्यवस्थित स्वरूप देने के लिए जाने जाते थे। उनके नेतृत्व में श्रीरामलीला समिति ने वर्षों तक नगर की सांस्कृतिक परंपरा को जीवंत बनाए रखा। सरल, सौम्य, मिलनसार स्वभाव और समाजसेवा के प्रति समर्पण के कारण वे हर वर्ग, धर्म के लोगों में सम्मानित थे। पिछले वर्ष ही उनके छोटे भाई उमेन्द्र अग्रवाल का हृदय गति रुकने से निधन हो गया था। दोनों भाई एक ही घर में साथ रहते थे। दोनों भाइयों के जाने से घर में सूनापन छा गया। लाला पुष्पेंद्र अग्रवाल के निधन की खबर सुनकर बड़ी संख्या में लोग उनके आवास पर पहुंचे और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना दी।

दिव्यांग टी-20 क्रिकेट का आयोजन एक फरवरी को

बिजनौर (चिंगारी)। एक फरवरी दिन रविवार को सक्षम बिजनौर जिला (मेरठ प्रान्त) दिव्यांग टी-20 क्रिकेट आयोजन वर्धमान कॉलेज,बिजनौर में सुबह 10 बजे से प्रारम्भ होगा। सक्षम बिजनौर जिले के संरक्षक एमएल भारद्वाज ने बताया कि बिजनौर जनपद के लिए यह अत्यंत गौरव और गर्व का विषय है कि यहां पहली बार दिव्यांग टी-20 क्रिकेट महाकुंभ सक्षम बिजनौर जिले द्वारा आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन न केवल खेल जगत में एक नया अध्याय जोड़ेगा, बल्कि दिव्यांग खिलाड़ियों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और संघर्ष को भी समाज के समक्ष प्रस्तुत करेगा। जिला अध्यक्ष डॉ. वीरेन्द्र सिसोदिया ने बताया कि भव्य खेल आयोजन का आयोजन सक्षम बिजनौर जिला द्वारा किया जा रहा है, जो सक्षम (समदृष्टि, क्षमताविकास एवं अनुसंधान मंडल) के अंतर्गत कार्यरत है।

बढ़ापुर में हिन्दू सम्मेलन का आयोजन

बढ़ापुर (चिंगारी)। स्थानीय श्री शिव मंदिर के रामलीला मैदान में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्य वक्ताओं ने संघ के 100 वर्षों की यात्रा तथा हिंदू धर्म, हिंदू सहयोग तथा स्वाभिमान के संरक्षण विषय पर विस्तारपूर्वक अपने विचार रखे।

शुक्रवार को आयोजित हिंदू सम्मेलन में मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सहप्रांत बौद्धिक प्रमुख (मेरठ प्रांत) सुनील कुमार व विभाग प्रचारक (बिजनौर विभाग) क्रांति उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत मां और भगवान श्रीराम के चित्र के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया। सम्मेलन में मुख्य वक्ताओं ने हिंदू समाज को एकजुट रहने तथा संघ के पंच प्रण सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी आचरण एवं नागरिक कर्तव्य विषय पर विस्तारपूर्वक अपने विचार रखे तथा हिंदू धर्म के संगठन, संस्कार, सेवा और समर्पण को धर्म की सबसे बड़ी शक्ति बताया।

सम्मेलन की अध्यक्षता डॉ. राजपाल सैनी ने की व संचालन रिंकू कश्यप ने किया। सम्मेलन में सुरेंद्र कर्णवाल, राहुल कश्यप, अजयराज सिंह एडवोकेट, बंटी प्रजापति, पिंकू कुमार, सोहित गुप्ता, राजू पाल, संदीप गिलहोत्रा, सतेंद्र कुमार तथा नारी शक्ति में नीता गिलहोत्रा के नेतृत्व में अंजू नामदेव, रीता सैनी, संतोषी कश्यप आदि उपस्थित रहे।

मारपीट में घायल महिला की मौत

धामपुर (चिंगारी)। थाना क्षेत्र के ग्राम मोहम्मदपुर सादा में शुक्रवार की शाम पुरानी रंजिश को लेकर शराब के नशे में धुत्त एक युवक ने घर में घुसकर दो महिलाओं से मारपीट की, जिससे एक महिला की कॉसमॉस हॉस्पिटल मुरादाबाद में उपचार के दौरान मौत हो गई। घटना की सूचना पाकर पुलिस अधीक्षक अभिषेक झा, पुलिस क्षेत्राधिकारी अभय कुमार पांडे, कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मृदुल कुमार सिंह ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया। मृतक महिला का पंचनामा भरकर उसे पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया। प्राप्त विवरण के अनुसार शुक्रवार को समय लगभग 5 बजे सॉय थाना धामपुर के गांव मोहम्मदपुर सादा निवासी युवक ऋषभ पुत्र स्वर्गीय शीशराम चौहान (27 वर्ष) पुरानी रंजिश को लेकर शराब के नशे में धुत्त होकर गांव की ही रुक्मणी पत्नी कुलदीप सिंह (पूर्व प्रधान)के घर चला गया और रुक्मणी से मारपीट करने लगा। उनके चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर उषा पत्नी स्व.गोपाल चौहान (80 वर्ष) निवासी मोहम्मदपुर सादा आई तो युवक ने उनके साथ भी मारपीट की। इस बीच युवक वहां से फरार हो गया। मारपीट के दौरान उषा को गंभीर चोटें आई थीं, जिन्हें उनके परिजन कॉसमॉस हॉस्पिटल ले गए, जहां इलाज के दौरान डॉक्टरों द्वारा उनको मृत घोषित कर दिया गया। कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक मृदुल कुमार सिंह ने बताया कि प्रकरण में परिजनों की ओर से अभी तहरीर नहीं दी गई है। तहरीर मिलने पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया है।

मृतका का फाइल फोटो

व्यापारियों का शोषण नहीं करेंगे बर्दाश्त

व्यापारी एकता परिषद की बैठक सम्पन्न

बिजनौर (चिंगारी)। व्यापारी एकता परिषद की एक बैठक चांदपुर रोड स्थित अनस फारुकी के प्रतिष्ठान पर संपन्न हुई। बैठक का संचालन जिला महामंत्री प्रशांत चौधरी व जिला मंत्री राजीव कुमार ने संयुक्त रूप से किया। अध्यक्षता अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष नईम अहमद ने की। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में संगठन के प्रदेश अध्यक्ष राहुल वर्मा उपस्थित रहे। वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष फहीम अहमद ने बताया कि होने वाले स्थापना दिवस में अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। अब्दुल अजीम अहमद जिला प्रचार मंत्री के नेतृत्व में दर्जनों कार्यकर्ताओं ने संगठन की सदस्यता ली। अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष नईम अहमद ने बताया कि वह किसी भी स्थिति में किसी व्यापारी का उत्पीड़न नहीं होने देंगे। मुख्य वक्ता प्रदेश अध्यक्ष राहुल वर्मा ने बताया कि 9 मई को होने वाली संगठन की दूसरी वर्षगांठ कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश उत्तराखंड सहित कई राज्यों के राज्यमंत्री, कैबिनेट मंत्री एवं आला अधिकारी उपस्थित रहेंगे। राहुल वर्मा ने बताया कि 20 साल से अधिक जिन व्यापारियों ने टैक्स सरकार को दिया है उन व्यापारियों को प्रत्येक माह 10 हजार की पेंशन सरकार के द्वारा दी जानी चाहिए और सुरक्षा की दृष्टि से व्यापारी समाज क अधिक से अधिक शस्त्र लाइसेंस भी बनाये जाने चाहिएं। बैठक में अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के नगर अध्यक्ष मोहम्मद आबिद बनाए गए। साथ ही अदीब मिर्जा को नगर मंत्री मनोनीत किया गया।

संत रविदास स्मृति द्वार का लोकार्पण

संत रविदास जी ने जात-पात और ऊंच-नीच को समाप्त करने का संदेश दिया- मौसम

बिजनौर (चिंगारी)। संत शिरोमणि गुरू रविदास की जयंती के शुभ अवसर पर नगर में बुखारा चुंगी स्थित संत रविदास मंदिर पर स्मृति द्वार का वरिष्ठ भाजपा नेता ऐश्वर्य मौसम चौधरी ने लोकार्पण किया। इस भव्य द्वार का निर्माण सदर विधायक सूचि मौसम चौधरी ने कराया है। उद्घाटन के अवसर पर मौसम चौधरी ने अपने सम्बोधन में कहा संत रविदास जी ने जात-पात, ऊंच-नीच को मिटाने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि उनका नर सेवा नारायण सेवा अभियान संत रविदास के विचारों के अनुरूप है। मौसम चौधरी ने बताया कि 2017 के बाद बिजनौर विधानसभा क्षेत्र में सदर विधायक द्वारा सभी वर्गों के हित में काम किये गये हैं तथा सभी क्षेत्रों में विकास कार्य हुए हैं। वे किसी की जाति देखकर काम नहीं करते। समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिये उत्तर प्रदेश की योगी सरकार तथा केन्द्र की मोदी सरकार ने अनेक महत्वपूर्ण काम किये हैं। इस अवसर पर महाराज राजू दास, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राकेश कुमार, जिला पंचायत सदस्य चन्द्रशेखर एडवोकेट, सेवानिवृत्त एडीएम चन्द्रपाल सिंह, भाजपा मंडल अध्यक्ष पुष्पराज कमल, प्रभाकर गौतम आदि मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि मौसम चौधरी को संत रविदास का चित्र भेंट करते हुए दलित समाज के युवक।

बजट में ऐसे हों प्रावधान, महंगाई पर लगे लगाम

चांदपुर (चिंगारी)। वित्तमंत्री द्वारा कल आम बजट पेश किया जाना है। बढ़ती महंगाई व आसमान छू रहे सोने-चांदी के भाव के कारण मध्यम वर्ग परेशान है।

ग्रहणी श्रीमती पलक अग्रवाल का कहना है कि नये बजट से सभी को अपनी-अपनी जरूरतों के अनुसार उम्मीदें रहती हैं। मेरा मानना है बजट का असर उच्च वर्ग और निम्न वर्ग के लोगों पर इतना नहीं पड़ता, क्योंकि निम्न वर्ग को सरकार की तरफ से बहुत सी सुविधाएं दी जाती हैं, पिसता सिर्फ मध्यम वर्ग है। इसलिए मेरी सरकार से मांग है कि बजट इस प्रकार से बनाया जाए, जिसमें रोजमर्रा की चीजों की कीमतें कम में, रोजगार के नये अवसर मिलें और हेल्थ केयर पर फोकस किया जाए।

सामाजिक संस्था से जुड़ीं हिमाद्रि जैन ने कहा कि 1 फ़रवरी 2026 को पेश होने वाले बजट से देश का आम नागरिक कई महत्वपूर्ण राहतों की अपेक्षा कर रहा है। बढ़ती महंगाई के बीच जनता की प्रमुख मांग है कि आवश्यक वस्तुओं, रसोई गैस और ईंधन की कीमतों में स्थिरता या कमी लाई जाए। मिडिल क्लास इनकम टैक्स में राहत की उम्मीद कर रहा है, जिससे उसकी बचत क्षमता में सुधार हो सके।

ग्रहणी श्रीमती रेनू तोमर ने वित्तमंत्री द्वारा कल पेश किए जाने पर वाले बजट पर अपनी राय रखते हुए कहा कि आगामी बजट में सरकार को आम आदमी को राहत देनी चाहिए। खाद्य वस्तुओं एवं रसोई गैस सिलेंडर के दाम स्थिर कर रसोई का बजट बिगड़ने से बचना चाहिए। सोने-चांदी का मूल्य स्थिर होना चाहिए, ताकि महिलाएं अपनी आवश्यकता का जेवर आसानी से ले सकें। जिस तरह से लगातार महंगाई बढ़ रही है, उसमें ग्रहणियों के लिए रसोई का बजट मैनेज करने में काफी परेशानी आ रही है।

अधिवक्ता लक्ष्मी शर्मा का कहना है सरकार को चाहिए कि आसमान छूती महंगाई पर अंकुश लगाये, फ्री में राशन बांटने बन्द कर गरीब व मध्यम वर्ग को ध्यान में रखकर बजट में उन्हें सहूलियत की जाये। सोने-चांदी के दाम आसमान छू रहे हैं, ऐसे में मध्यम वर्ग से सोना-चांदी दूर होता जा रहा है। सोने-चांदी के बढ़ते मूल्य पर अंकुश लगाया जाए।

स्कूल संचालिका श्रीमती साजिदा परवीन ने कहा कि आसमान छूती महंगाई से समाज का प्रत्येक वर्ग प्रभावित हो रहा है। सरकार को चाहिए कि वे महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए बजट में आवश्यक सहूलियते, ताकि आम जनता को इसका लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि बजट में शिक्षा व दवाईयों पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

झालू में शाम के समय वातावरण अलबेला आसमान में लग रहा पतंगों का मेला

अभिषेक अग्रवाल

झालू (चिंगारी)। नगर में इन दिनों युवाओं और बच्चों में पतंग उड़ाने का क्रेज सिर चढ़कर बोल रहा है। खासकर शाम के समय नगर का आसमान रंग-बिरंगी पतंगों से भरा हुआ नज़र आ रहा है। गली-मोहल्लों, छतों और खुले मैदानों में बच्चों की टोलियां पतंग उड़ाते हुए दिखाई दे रही हैं, वहीं युवा भी पूरे उत्साह के साथ इस पारंपरिक खेल का आनंद ले रहे हैं। शाम के समय तो मानो आसमान में पतंगों का मेला लग जाता है। चारों ओर उड़ती हुई पतंगें और काट-काट की आवाजें माहौल को और भी जीवंत बना देती हैं। बच्चों में पतंग उड़ाने को लेकर जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। कई बच्चे स्कूल और ट्यूशन से लौटते ही सीधे छतों पर पहुंच जाते हैं और घंटों तक पतंगबाजी में लगे रहते हैं।

नगर के पतंग विक्रेताओं में भी इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। पतंग, मांझा और डोर की दुकानों पर भीड़ उमड़ रही है। दुकानदारों के अनुसार इस बार पतंगों की बिक्री में अच्छी बढ़ोतरी हुई है। रंग-बिरंगी, डिजाइनर और कार्टून वाली पतंगें भी बच्चों को खासा आकर्षित कर रही हैं। हालांकि बच्चे मध्यम बजट में आने वाली पतंग उड़ाने में ही विशेष रुचि दिखा रहे हैं।

बुजुर्गों का कहना है कि पतंग उड़ाने की यह परंपरा न केवल मनोरंजन का साधन है, बल्कि बच्चों के आपसी मेल-जोल को भी बढ़ावा देती है। इसके अलावा बच्चों के पुराने खेलों में एक यही खेल ऐसा है, जिसमें बच्चे मोबाइल को भूलकर पतंग उड़ाने में मशगूल रहते हैं।

हालांकि, प्रशासन और समाजसेवी संगठनों द्वारा लोगों से सुरक्षित मांझे का उपयोग करने और सावधानी बरतने की अपील भी की जा रही है, ताकि किसी प्रकार की दुर्घटना न हो। कुल मिलाकर, नगर में पतंग उड़ाने का यह माहौल किसी उत्सव से कम नहीं लग रहा है तथा आसमान को रंगीन बनाकर खुशियों व उत्साह से भर रहा है।

आसफाबाद चमन के अध्यापक नवनीत कुमार ने राज्य स्तर पर सफलता प्राप्त की

अफजलगढ़ (चिंगारी)। नवीन शिक्षा पद्धति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद लखनऊ के निर्देशन में आयोजित षष्ठम राज्य स्तरीय कला, क्राफ्ट एवं पेपेट्री प्रतियोगिता में विकासखंड अफजलगढ़ के सहायक अध्यापक ने उल्लेखनीय सफलता हासिल कर क्षेत्र का मान बढ़ाया है।

जानकारी के अनुसार प्रतियोगिता का आयोजन 12, 13, 14 एवं 19 जनवरी को लखनऊ में किया गया, जिसमें वही प्रतिभागी शामिल हुए, जिन्होंने नवंबर 2025 में जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित प्रथम चरण की प्रतियोगिता में विजय प्राप्त की थी। विभिन्न जनपदों से चयनित प्रतिभागियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली।

जिला बिजनौर से सामाजिक विषय वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त प्रतिभागी निशा राजपूत के निर्देशन में संविलियन विद्यालय ग्राम आसफाबाद चमन, विकासखंड अफजलगढ़ के सहायक अध्यापक नवनीत कुमार ने अपने नवाचार आधारित शिक्षण मॉडल एवं शिक्षण सामग्री का प्रभावशाली प्रस्तुतीकरण किया। उनकी प्रस्तुति को निर्णायक मंडल द्वारा अत्यंत उपयोगी, रचनात्मक और व्यवहारिक बताते हुए राज्य स्तर पर विजेता घोषित किया गया। नवनीत कुमार की इस उपलब्धि से विद्यालय परिवार, विकासखंड अफजलगढ़ में हर्ष का माहौल है।

वन विभाग की लापरवाही ने बारहसिंघा की जान ली

बरुकी (चिंगारी)। जंगल से भटककर आबादी में पहुंचे एक बारहसिंघा हिरन पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया। कुत्तों से बचने के लिए भयभीत हिरन सोसाइटी की ओर भागा, जहां वह दो दीवारों के बीच फंसकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना को देख ग्रामीण मौके पर पहुंचे और लाठी-डंडों की मदद से कुत्तों को भगाकर हिरन को बचाने का प्रयास किया। इसके बाद ग्रामीणों ने तत्काल इसकी सूचना पुलिस एवं वन विभाग को दी। सूचना पर बरुकी पुलिस मौके पर पहुंच गई, लेकिन घंटों बीत जाने के बावजूद वन विभाग की टीम घटनास्थल पर नहीं पहुंची। वन विभाग की टीम के समय पर न पहुंचने के कारण घायल बारहसिंघा ने दम तोड़ दिया। इस घटना के बाद ग्रामीणों में भारी नाराजगी देखने को मिली। ग्रामीणों ने वन विभाग पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि यदि समय रहते उपचार और रेस्क्यू की व्यवस्था की जाती तो हिरन की जान बचाई जा सकती थी। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए त्वरित रेस्क्यू व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा लापरवाही बरतने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

हेजलमून के छात्र हमजा ने हिंदी ओलम्पियाड में जीता स्वर्ण पदक

चांदपुर (चिंगारी)। द हेजलमून स्कूल के हाईस्कूल के मेधावी छात्र मौ. हमजा को हिंदी विकास संस्थान, दिल्ली द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2025 में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मोहम्मद हमज़ा ने विद्यालय की शिक्षिका श्रीमती वंदना भटनागर के मार्गदर्शन में पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ इस प्रतियोगिता में भाग लिया तथा प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर राज्य स्तर पर राष्ट्रीय हिंदी प्रतिभा सम्मान के लिए चयनित हुए। 30 जनवरी 2025 को तीन मूर्ति भवन, प्रधानमंत्री संग्रहालय, नई दिल्ली के सभागार में मो. हमज़ा को स्वर्ण पदक एवं 10,001/- की पुरस्कार राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस गौरवशाली उपलब्धि पर विद्यालय के चेयरमैन अनिरुद्ध मित्तल ने हमज़ा को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता उसकी मेहनत, लगन और हिंदी भाषा के प्रति रुचि का परिणाम है। विद्यालय की निर्देशिका श्रीमती शक्ति अनिरुद्ध मित्तल ने हमज़ा तथा उसके माता-पिता को बधाई दी। प्रधानाचार्या श्रीमती गरिमा सिंह ने मो. हमज़ा को बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है और विद्यालय को अपने छात्र पर गर्व है।

प्रदेश महामंत्री हितेश चौधरी और अरूण चौधरी का स्वागत किया

झालू (चिंगारी)। राष्ट्रीय गौ रक्षा दल की झालू नगर इकाई द्वारा आयोजित बैठक में प्रदेश महामंत्री हितेश चौधरी एवं जिला सचिव अरुण चौधरी का स्वागत किया गया। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर सभी पदाधिकारियों ने गौमाता को गुड़ एवं केले खिलाकर गौ सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान संगठन को और अधिक मजबूत करने के उद्देश्य से नगर इकाई झालू की नई कार्यकारिणी की घोषणा भी की गई। नवनियुक्त पदाधिकारियों में विवेक शर्मा को नगर प्रभारी, दीक्षित शर्मा को नगर अध्यक्ष तथा अंशुल शर्मा को नगर महासचिव नियुक्त किया गया। प्रदेश महामंत्री हितेश चौधरी ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को संगठन की विचारधारा के अनुरूप कार्य करने एवं गौरक्षा के लिए निरंतर प्रयासरत रहने का आह्वान किया।

आगामी बजट और मोदी सरकार से अपेक्षाएं विकास, विश्वास और समावेश का संकल्प

-शक्ति अनिरुद्ध मित्तल
निर्देशिका
द हेज़लमून स्कूल, चांदपुर

भारत आज जिस आत्मविश्वास के साथ विश्व पटल पर खड़ा है, उसके पीछे पिछले एक दशक में मोदी सरकार द्वारा की गई ठोस नीतियां, स्पष्ट विज़न और निर्णायक नेतृत्व का बड़ा योगदान है। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने सत्ता को केवल प्रशासन तक सीमित न रखकर, उसे सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण का माध्यम बनाया है। ऐसे में आने वाला बजट न केवल आर्थिक दस्तावेज़ है, बल्कि देश की 140 करोड़ जनता की आकांक्षाओं और सपनों का प्रतिबिंब भी है।

पिछले वर्षों में मोदी सरकार ने भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। जीएसटी जैसी बड़ी कर सुधार प्रणाली, डिजिटल इंडिया के माध्यम से पारदर्शिता, जन-धन योजना से वित्तीय समावेशन, उज्ज्वला योजना से गरीब महिलाओं को सम्मान, आयुष्मान भारत से स्वास्थ्य सुरक्षा और प्रधानमंत्री आवास योजना से करोड़ों परिवारों को पक्का घर- ये सभी इस बात का प्रमाण हैं कि बीजेपी सरकार ने कथनी और करनी के अंतर को काफी हद तक मिटाया है। आज भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और मेक इन इंडिया व आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों ने देश को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में मजबूत आधार दिया है।

आने वाले बजट से जनता को स्वाभाविक रूप से कई अपेक्षाएं हैं। मिडल क्लास, जो देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, टैक्स में राहत, महंगाई पर नियंत्रण, शिक्षा और स्वास्थ्य में बेहतर सुविधाओं तथा स्थिर रोजगार के अवसरों की उम्मीद करता है। मोदी सरकार से यह अपेक्षा है कि वह ईमानदार करदाताओं का सम्मान करते हुए उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए और कदम उठाए। साथ ही स्टार्टअप्स, एमएसएमई और युवाओं के लिए स्किल डेवलपमेंट पर विशेष फोकस रखा जाए, ताकि रोजगार सृजन को और गति मिले।

वहीं लोअर क्लास और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के लिए मोदी सरकार पहले ही एक उम्मीद की किरण बन चुकी है। मुफ्त राशन योजना, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर, किसान सम्मान निधि, स्वच्छ भारत मिशन और हर घर जल जैसी योजनाओं ने उनकी ज़िंदगी में वास्तविक बदलाव लाया है। आगामी बजट से अपेक्षा है कि इन योजनाओं को और अधिक सशक्त किया जाए, स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा और किफायती आवास पर खर्च बढ़े, ताकि विकास का लाभ केवल कागज़ों तक सीमित न रहकर ज़मीन पर दिखाई दे।

बीजेपी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही है कि उसने विकास को राजनीति से ऊपर रखा है। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की साख मजबूत हुई है, विदेशी निवेश बढ़ा है और भारत आज वैश्विक निर्णयों में एक प्रभावशाली आवाज़ बन चुका है। ऐसे में जनता को भरोसा है कि आने वाला बजट भी इसी विकास यात्रा को आगे बढ़ाएगा, जहां मिडिल क्लास को राहत मिलेगी, गरीब को सुरक्षा और युवा को अवसर।

अंततः देश की अपेक्षा एक ऐसे बजट की है, जो समावेशी हो, संतुलित हो और दूरदर्शी हो। मोदी सरकार ने अब तक जिस तरह जनता के विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास किया है, उससे यह उम्मीद और मजबूत होती है कि आने वाला बजट सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र को और सशक्त करेगा।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
रामपुर वृत्त, लो0नि0वि0 रामपुर
ई-निविदा सूचना

पत्रांकः- 497/ई-निविदा-रा0वृत्त/25-26 दिनांक :- 20.01.2026

1:- महामहिम, राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, रामपुर वृत्त, लो0नि0वि0 रामपुर द्वारा प्रतिशत दर पर निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदायें वेबसाइट http://etender.up.nic.in के माध्यम से आथराइज्ड सेतु श्रेणी में रजिस्टर्ड निविदादाताओं से दिनांक 07.02.2026 प्रातः 10.00 बजे से 13.02.2026 अपरान्ह 12.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा की प्री-क्वालिफिकेशन/टैक्नीकल बिड दिनांक 13.02.2026 को अपरान्ह 12.30 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय कक्ष मे उपस्थित/अधिकृत रजिस्टर्ड फर्म के प्रतिनिधियों के समक्ष गठित समिति के सदस्यों द्वारा ऑनलाइन खोली जायेगी। टेक्निकल बिड में क्वालिफाई पाये गये ठेकेदारों की फाईनेंशियल बिड खोले जाने के दिनांक व समय हेतु पृथक से सूचना इस कार्यालय द्वारा जारी की जायेगी। कार्यालय बन्द होने अथवा छुट्टी होने की दशा में प्री-क्वालिफिकेशन/टैक्नीकल बिड उसी क्रम एवं समयानुसार अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी।

2:-कार्यो का विवरण निम्नवत् है:-

क्र. सं.	जनपद	कार्य का नाम	अनुमानित लागत जीएसटी रहित (रू0 लाख में)	धरोहर धन राशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य स्टेशनरी व जी0एस0 टी0 सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा काल सहित)	ठेकेदार के पंजीयन की श्रेणी	कार्य सम्पादित कराने वाले अधिशासी अभियन्ता का पता	संबंधित अधीक्षण अभि-यन्ता का पता	संबंधित मुख्य अभियन्ता का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
1	बिजनौर	जनपद बिजनौर में आयी बाढ़/अतिवृष्टि के कारण किरतपुर, नगीना, हरेवली, शेरकोट मार्ग के किमी0 28 में खो नदी पर निर्मित सेतु की एप्रोच रोड की मरम्मत एवं सुरक्षात्मक कार्य।	300.00	17.00	2354.00 (ऑनलाइन भुगतान केवल नेट बैंकिंग द्वारा ही मान्य)	06 माह (वर्षाकाल सहित)	"ए" सेतु श्रेणी	निर्माण खण्ड-2, लो0नि0वि0 बिजनौर मु0-नजीबाबाद	रामपुर वृत्त लो0नि0वि0 रामपुर	मुरादाबाद क्षेत्र, लो0नि0वि0 मुरादाबाद
2	बिजनौर	जनपद बिजनौर में बहसूमा चांदपुर ठाकुरद्वारा जसपुर मार्ग सं0-147 पर किमी0 83 व 84 में रामगंगा नदी पर स्थित सेतु के रिहैबिलिटेशन का कार्य।	79.00	5.95	2354.00 (ऑनलाइन भुगतान केवल नेट बैंकिंग द्वारा ही मान्य)	04 माह (वर्षाकाल सहित)	"ए व बी" सेतु श्रेणी	निर्माण खण्ड-2, लो0नि0वि0 बिजनौर मु0-नजीबाबाद	रामपुर वृत्त लो0नि0वि0 रामपुर	मुरादाबाद क्षेत्र, लो0नि0वि0 मुरादाबाद

- बिल ऑफ क्वान्टिटी में लगाई गयी दरें सभी करो को जोड़ते हुये तथा जी0एस0टी0 को छोड़ते हुये लगाई गयी है।
- धरोहर धनराशि एवं निविदा शुल्क टेबिल के कॉलम 5 व 6 के अनुसार ऑन लाईन बैंकिंग द्वारा जमा करनी होगी।

निविदादाता सम्बन्धी शेष सभी शर्ते http//etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है। शासनादेश संख्या 14/2020/879/तेईस-7-2020-176(सा0)/06 लोक निर्माण अनुभाग-7 दिनांक 25.08.2020, शासनादेश संख्या 879(1)/तेईस-7-2020-176(सा0)/06 लोक निर्माण अनुभाग-7 दिनांक 25.08.2020 एवं प्रमुख अभियन्ता (विकास) एवं विभागाध्यक्ष के पत्रांक 417/13रो0ए0मै0खं0/20 दिनांक 28.08.2020 के अनुरूप निविदादाता को प्रहरी यू0आर0एल0 http//wms.uppwd.gov.in/prahari पर लॉग इन कर आवश्यक अभिलेख अपलोड करने होंगे।

अधिशासी अभियन्ता
नि0ख0-2, लो0नि0वि0 बिजनौर
(मु0 नजीबाबाद)
Email – eepwdnjb@gmail.com

R.O.No. 244861 Date: 29/01/2026
UPID.www.upgov.nic.in

अधीक्षण अभियन्ता
रामपुर वृत्त, लो0नि0वि0, रामपुर
Ph. 0595 – 2351163
Email – pwdrampur@gmail.com

कांग्रेस ने श्रद्धापूर्वक मनाई महात्मा गांधी की पुण्यतिथि

महात्मा गांधी एक व्यक्ति नहीं, विचारधारा हैं : सुरेन्द्र सिंह नेगी

शुक्रवार को कोटद्वार स्थित कांग्रेस कार्यालय में आयोजित सभा में कांग्रेसजनों व नगर वासियों ने राष्ट्रपिता को पुष्पांजलि अर्पित की।

कोटद्वार (चिंगारी)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि के अवसर पर शुक्रवार को कांग्रेस कार्यालय में आयोजित सभा में कांग्रेसजनों एवं नगरवासियों ने राष्ट्रपिता के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री सुरेन्द्र सिंह नेगी ने कहा कि राष्ट्रपिता केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचारधारा हैं। सत्य, अहिंसा, सादगी और सामाजिक न्याय के जिन मूल्यों को उन्होंने जीवन भर अपनाया, वे आज भी देश और समाज को दिशा देने वाले हैं। वर्तमान समय में जब समाज अनेक चुनौतियों से गुजर रहा है, तब गांधी जी के विचारों को आत्मसात करना पहले से कहीं अधिक आवश्यक है। उन्होंने आगे कहा कि गांधी जी का जीवन हमें यह सिखाता है कि नैतिकता और सत्य के मार्ग पर चलकर भी बड़े से बड़े परिवर्तन संभव हैं। उनके विचार आज भी लोकतंत्र, सामाजिक सौहार्द और संविधान की आत्मा को मजबूती प्रदान करते हैं। वहीं सभा में उपस्थित अन्य वक्ताओं ने भी राष्ट्रपिता के जीवन, उनके स्वतंत्रता संग्राम में योगदान और देश को एकजुट रखने में उनकी भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में महानगर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष संजय मित्तल, पूर्व जिला अध्यक्ष डॉ. चंद्रमोहन सिंह खर्कवाल, गणेश नेगी, सेनि. कै. नंदन सिंह रावत, बृजपाल सिंह नेगी, साबर सिंह नेगी जी, सुनील सेमवाल और शूरवीर सिंह खेतवाल सहित अन्य कार्यकर्ता शामिल रहे।

जीआईसी इण्डीचौड़ ने वार्षिकोत्सव आयोजित किया ऋतु खंडूड़ी ने विधायक निधि से फर्नीचर दिया

कोटद्वार (चिंगारी)। नगर निगम के अंतर्गत इंडीचौड़ स्थित राजकीय इंटर कॉलेज में शुक्रवार को वार्षिकोत्सव एवं फर्नीचर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वार्षिकोत्सव का आरंभ मुख्य अतिथि विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूड़ी भूषण ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन बच्चों की प्रतिभा को निखारने के लिए आवश्यक हैं। बच्चों को भी इसमें उत्साहपूर्वक भाग लेना चाहिए। मौके पर उन्होंने अपनी विधायक निधि से विद्यालय के बच्चों को अध्ययन के लिए फर्नीचर प्रदान किया। इस पर विद्यालय प्रधानाचार्य सोहनलाल ने उनका आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इससे पूर्व भी प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष के प्रयासों से विद्यालय में सार्वजनिक व्यायामशाला, टीन शेड निर्माण, भोजन आवास तथा विद्यालय की छतों की मरम्मत जैसे कई महत्वपूर्ण विकास कार्य कराए जा चुके हैं, जिससे विद्यालय की आधारभूत संरचना सशक्त हुई है। तत्पश्चात विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गई। बच्चों की सुंदर एवं अनुशासित प्रस्तुतियों ने उपस्थित अतिथियों एवं अभिभावकों का मन मोह लिया। इस दौरान विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा सूचना एवं सेवा आधारित स्टॉल भी लगाए गए। जहां लोगों को योजनाओं की जानकारी दी गई और मौके पर ही सेवाएं भी उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम में भाजपा मण्डल अध्यक्ष आशीष रावत, पार्षद जेपी बहुखंडी, जितेंद्र नेगी, आनंद घिल्डियाल, नवल किशोर, विवेक भारती, रामेश्वरी देवी, कुलदीप रावत व बबीता ग्वाड़ी सहित विभागीय अधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं व अभिभावकगण उपस्थित रहे।

दो को निकलेगी लालढांग मोटर निर्माण मांग रैली

कोटद्वार (चिंगारी)। लालढांग-चिल्लरखाल मोटर मार्ग निर्माण संघर्ष समिति की ओर से दो फरवरी को चिल्लरखाल से तहसील तक मोटर मार्ग निर्माण की तरफ सरकार का ध्यान आकर्षित करने के लिए, ध्यानाकर्षण रैली निकाली जायेगी। शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए समिति संयोजक राजाराम अण्थवाल व प्रवीण थापा कहा कि रोड का निर्माण न कराना जनता के अधिकारों का हनन है। मौके पर उन्होंने क्षेत्रीय लोगों से रैली को सफल बनाने की अपील की।

मंदिर में चल रहा मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम

आज शैयाधिवास प्रक्रिया पूर्ण हुई

पूजन में शामिल मुख्य यजमान।

धामपुर (चिंगारी)। नगीना मार्ग स्थित कृष्णा नगर कॉलोनी के नवनिर्मित शिव मंदिर में चल रहे पांच दिवसीय मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के चौथे दिन आयोजित सामूहिक पूजन कार्यक्रम में मुख्य यजमान आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रदीप कुमार कौशिक एवं उनकी धर्म पत्नी शशि देवी कौशिक, अखिलेश चौहान, पंकज रानी, धीरेंद्र चौहान, रीना रानी, नरेश कुमार, अलका चौहान रहे। पूजन पंडित सुनील दत्त शर्मा ने संपादित कराया। इस दौरान हरिद्वार से पधारे आचार्य पंडित संदीप कुमार शर्मा, आचार्य पंडित दिव्यांशु भारद्वाज, आचार्य विशाल भारद्वाज, आचार्य राधे भारद्वाज ने प्रतिष्ठाचार्य जी के सहयोगियों की भूमिका प्रदर्शित की। श्रीमद् हनुमत भक्ति प्रचार मंडल के अध्यक्ष अरुण कुमार अग्रवाल महासचिव मास्टर सुनील कुमार चौहान, कोषाध्यक्ष मनोज कुमार रस्तोगी के निर्देशन में आयोजित सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ में पहुंचे सिद्ध पीठ बालाजी धाम के संस्थापक एवं महंत राहुल अग्रवाल को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम में भजन प्रस्तुत करने वाले बाबा के सेवकों में रामप्रकाश वर्मा, प्रीतम सिंह सैनी, सर्वेश कुमार गिरि, प्रवेश कुमार मिश्रा, मनोज रस्तोगी, सुनील चौहान, नंदकिशोर रस्तोगी आदि शामिल रहे।

आज प्रातः काल शैयाधिवास की प्रक्रिया पूर्ण कराई गई। कल 1 फरवरी को सामूहिक पूजन एवं हवन यज्ञ आदि के माध्यम से शिवलिंग, शिव परिवार, बजरंगबली हनुमान जी महाराज, सिंह पर सवार जगत जननी मातेश्वरी जगदंबिका भवानी, राम दरबार आदि मूर्तियों की स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम संपादित कराया जाएगा।

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ के राष्ट्रीय अधिवेशन में उत्तराखण्ड की शैक्षिक उपलब्धियों की जानकारी दी

कलिंग विश्व विद्यालय में सौरभ मिश्रा ने किया प्रतिभाग

कोटद्वार (चिंगारी)। भारतीय प्रौढ़ शिक्षा संघ नई दिल्ली द्वारा कलिंग विवि भुवनेश्वर (उड़ीसा) में 21 से 23 जनवरी तक आयोजित संघ के 66वें राष्ट्रीय अधिवेशन 'उल्लास' में उत्तराखण्ड राज्य से विकासखण्ड दुगड्डा के राजकीय इण्टर कालेज धोबीघाट में कार्यरत शिक्षक डॉ. सौरभ मिश्र ने प्रतिभाग किया। अधिवेशन में भारतवर्ष के विभिन्न विश्वविद्यालयों के आये शोधार्थी व प्रोफेसरों ने अपने-अपने राज्य की शैक्षिक उपलब्धि एवं शैक्षिक समस्याओं को लेकर विचार प्रस्तुत किये।

शुक्रवार को शिक्षक डॉ. सौरभ मिश्र ने बताया कि उन्होंने प्रौढ़ और आजीवन शिक्षा विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए उत्तराखण्ड राज्य को नशामुक्त तथा टीबी मुक्त बनाकर पूर्ण शिक्षित राज्य बनाने की बात कहीं। बताया कि उल्लास कार्यक्रम के अन्तर्गत उत्तराखण्ड राज्य में वर्ष 2024-25 में पांच जिले शामिल किए गए थे। उल्लास कार्यक्रम साक्षरता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य 15 वर्ष और उससे अधिक के उन सभी नागरिकों को बुनियादी शिक्षा और जीवन कौशल प्रदान कर सशक्त बनाना है, जिन्हें औपचारिक शिक्षा का अवसर नहीं मिला है। यह सिर्फ एक साक्षरता कार्यक्रम ही नहीं, बल्कि एक जन आन्दोलन है।

उत्तराखण्ड में भी, शिक्षा विभाग और अन्य संस्थान साक्षरता जन-जन साक्षर कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण देकर और स्वयंसेवकों की मदद से इस कार्यक्रम को लागू करने के लिए आज भी काम कर रहे हैं और अच्छे निष्कर्ष के लिए प्रयासरत हैं। वहीं उनकी इस उपलब्धि पर पूरे विद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त किया है।

3 फरवरी को मनायी जायेगी शबे बरात

बिजनौर (चिंगारी)। शहर काजी बिजनौर काजी माजिद अली ने बताया कि इस साल शबे बरात 3 फरवरी दिन मंगलवार को मनाई जाएगी और अगले दिन 4 फरवरी दिन बुधवार को रोजा रखा जाएगा। शहर काजी ने तमाम मुसलमानों से अपील की है कि 3 और 4 फरवरी के बीच की रात बहुत इबादत की रात है, इसमें सब लोग सिर्फ अल्लाह की इबादत करें और किसी भी खुराफात में न पड़ें, अल्लाह से अपने गुनाहों की माफी मांगे और जो लोग इस दुनिया से जा चुके हैं उनके लिए मगफिरत की दुआ करें और अपने मुल्क में अपने शहर में तमाम दुनिया में अमन और शांति के लिए अल्लाह से दुआ करें।

बहुउद्देश्यीय शिविर में 463 ग्रामीणों ने भाग लिया 170 लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया

कोटद्वार (चिंगारी)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन पर जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार के तहत विकासखंड दुगड्डा की न्याय पंचायत उमथगांव में गुरूवार को बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान ग्रामीणों ने 18 शिकायतें दर्ज कीं, जिनमें से अधिकांश का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। वहीं 170 पात्र लोगों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। शिविर में 463 ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया। शिविर में मुख्य अतिथि यमकेश्वर विधान सभा विधायक रेनू बिष्ट ने कहा कि प्रदेश सरकार की इस पहल के तहत जनपद की सभी न्याय पंचायतों में शिविर आयोजित किये जा रहे हैं, जिससे आम लोगों को योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से अधिक से अधिक संख्या में शिविरों में प्रतिभाग करने का आह्वान किया। नोडल अधिकारी शिविर एवं अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत भावना रावत ने बताया कि शिविर में दर्ज 18 शिकायतों में से अधिकांश का समाधान मौके पर ही कर दिया गया है। शेष शिकायतों को निस्तारण के लिए संबंधित विभागों को भेज दिया गया है। उन्होंने बताया कि शिविर के माध्यम से 170 लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ दिया गया। इसके अलावा 15 विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र बनाए गए। शिविर में स्वास्थ्य, समाज कल्याण, बाल विकास, वन, राजस्व, आयुर्वेदिक एवं यूनानी, पशुपालन सहित कुल 23 विभागों के स्टॉल लगाए गए थे। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख सूरज नेगी, जिला पंचायत सदस्य सीमा भंडारी, खंड विकास अधिकारी विद्यादत्त रतूड़ी, जेई जिला पंचायत अनुज सेमवाल सहित अन्य अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित रहे।

अवैध खनन पर लगी रोक तो चार गुना बढ़ा राजस्व

नैनीताल (चिंगारी)। खनन गतिविधियों को लेकर सामान्य तौर लोगों में नकारात्मक अवधारणा रहती है। लेकिन उत्तराखंड में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने खनन आवंटन और खनन परिवहन की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के साथ ही अवैध खनन पर सख्ती दिखाई, इसी का नतीजा है कि डेढ़ साल से कम समय में सालाना खनन राजस्व 300 करोड़ से 1200 करोड़ के पार पहुंच गया है।

प्रदेश सरकार ने सितंबर 2024 को नई खनन नीति लागू की थी। नई खनन नीति में ई नीलामी के जरिए खनन लॉट आवंटन, खनन गतिविधियों की सेटेलाइट निगरानी जैसे कई नए प्रयोग किए गए। साथ ही मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पुलिस-प्रशासन को भी अवैध खनन पर सख्ती दिखाने के निर्देश दिए। जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। सितंबर 2024 से पहले राज्य को खनन से सिर्फ 300 करोड़ रुपए तक ही सालाना राजस्व प्राप्त हो पाता था, लेकिन अब यह राजस्व 1200 करोड़ के पार चला गया है। यही नहीं उत्तराखंड को खनन सुधार लागू करने के लिए देशभर में दूसरा स्थान प्राप्त हो चुका है, जिसके फलस्वरूप केंद्र सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए पूंजी निवेश हेतु राज्यों को विशेष सहायता योजना (एसएएससीआई) के अंतर्गत उत्तराखंड के लिए 200 करोड़ की विशेष सहायता स्वीकृत की है।

सीएम धामी ने कहा आम लोगों को आवासीय या अन्य निर्माण के लिए खनन सामग्री की आवश्यकता होती है, साथ ही विभिन्न विकास परियोजनाओं के लिए भी खनन की आवश्यकता है। इसी क्रम में प्रदेश सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि खनन पर्यावरण के मानकों के अनुसार हो, साथ ही इसके लिए पारदर्शी तंत्र विकसित किया गया। जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं। इससे राजस्व में भी शानदार वृद्धि हुई है, जिससे जनकल्याणकारी योजनाओं का संचालन हो रहा है।

इन सुधारों से बदली तस्वीर

- ई निलामी के जरिए खनन लॉट आवंटन
- अवैध खनन पर प्रभावी रोक लगाई गई
- खनन परिवहन के लिए माइनिंग सर्विलांस सिस्टम
- खनन गतिविधियों की डिजिटल ट्रैकिंग और निरीक्षण

चिकित्सकीय सुविधा देना स्वागत योग्य कदम : सुधीर अग्रवाल

सुधीर अग्रवाल

चांदपुर (चिंगारी)। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश मंत्री सुधीर अग्रवाल ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार ने शिक्षकों को कैशलेश चिकित्सकीय सुविधा देकर सराहनीय कार्य किया है। हम सरकार के निर्णय का स्वागत करते हैं। प्रदेश के शिक्षकों की तरफ से सरकार का आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष चेतनारायण सिंह के नेतृत्व में वर्ष 2008 से ही संगठन कैशलेश चिकित्सकिय सुविधा के लिए संघर्ष कर रहा था। जिला मुख्यालय से लेकर प्रदेश मुख्यालय तक अनेक दौर का संघर्ष किया गया। सरकार से कई दौर की वार्ता हुई। लम्बे संघर्ष के पश्चात सरकार ये निर्णय सामने आया है, जो निश्चित रूप से स्वागत योग्य है हम प्रदेश के शिक्षकों की तरफ से मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त करते हैं।

ईओ चांदपुर ने अभियान चलाया, नगर से अतिक्रमण हटवाया

चांदपुर (चिंगारी)। नगर पालिका परिषद चांदपुर के अधिशासी अधिकारी कुनाल रस्तौगी आइएएस ने नगर के मुख्य मार्गों पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाकर लोगों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटवाया। नगर में अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाये जाने से अतिक्रमण करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है। शुक्रवार को दोपहर बाद अधिशासी अधिकारी कुनाल रस्तौगी, आइएएस ने पालिकाकर्मियों के साथ नगर के स्टेशन रोड, धनौरा रोड, अम्बेडकर चौक, फीना चौक व रोडवेज बस स्टैंड के आसपास लोगों द्वारा किए गए अतिक्रमण को हटवाया। अधिशासी अधिकारी द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलायें जाने से अतिक्रमण करने वालों में हड़कंप मचा हुआ है।

भाकियू की ब्लॉक कार्यकारिणी घोषित

दुष्यंत यादव को मनोनयन पत्र सौंपते चन्द्रपाल सिंह।

नूरपुर (चिंगारी)। भारतीय किसान यूनियन (टिकैत)के नवमनोनीत ब्लॉक अध्यक्ष चौधरी चन्द्रपाल सिंह ने ब्लॉक कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। प्रेस को दी विज्ञप्ति में बताया कि संगठन में ब्लॉक सरंक्षण पद पर नरदेव सिंह, गेंदा पहलवान, ऋषिपाल सिंह व लटूर सिंह, उपाध्यक्ष पद पर सुशील कुमार,चन्द्रपाल सिंह, कल्याण सिंह, रक्षपाल सिंह, गौतम सिंह, नरेश कुमार, महासचिव पद पर दुष्यंत यादव, समरपाल सिंह, लोकेश सिंह, सचिव पद पर हरज्ञान सिंह, वीरेन्द्र सिंह, मगन सिंह, दलवीर सिंह, कोषाध्यक्ष पद पर ऋषिपाल सिंह को मनोनीत किया है। नई कार्यकारिणी के गठन पर यूनियन के पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने नव मनोनीत पदाधिकारियों को बधाई दी।

निकाह करने के लिये पश्चिम बंगाल गये व्यक्ति की मौत

नहटौर (चिंगारी)। निकाह करने के लिए पश्चिम बंगाल गये व्यक्ति की मौत हो गई। मौत का कारण हार्ट अटैक बताया गया है। मृतक के शव को गांव लाकर दफना दिया गया। ग्राम निजातपुर निवासी (55 वर्षीय) जबरूद्दीन अहमद की पत्नी की कुछ माह पहले ही मौत हो गयी थी। बीते सप्ताह दूसरा निकाह करने के लिए जबरूद्दीन पश्चिम बंगाल गए थे। ग्रामीणों के अनुसार निकाह होने के बाद अचानक जबरूद्दीन की मौत हो गई। घर में दुल्हन आने की खबर से पहले ही मौत की खबर आने पर परिजनों में कोहराम मच गया। शुक्रवार को मृतक का शव गांव लाया गया, जिसके बाद क़ब्रिस्तान में दफ़ना दिया गया। मृत्यु होने का कारण हार्ट अटैक बताया जा रहा है।

शहरवासी हैं निराश्रित गौवंश से परेशान, नगर निगम नहीं कर रहा इसका समाधान

ऋषिकेश (चिंगारी)। शहर में निराश्रित पशु क्षेत्रवासी राहगीरों की सुरक्षा के लिए खतरा बने हुए हैं। शहर के व्यस्ततम बाजारों व आवासीय क्षेत्रों में निराश्रित पशुओं का जमावड़ा लग रहा है। बाजार से लेकर घर के आस-पास भी लोग सुरक्षित महसूस नहीं कर पा रहे हैं। पिछले एक वर्ष में गोवंश हमले की दस से ज्यादा घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें कई की जान भी जा चुकी है। इन सबके बावजूद नगर निगम प्रशासन इस समस्या से निजात नहीं दिला पा रहा है। तिलक रोड व मनीराम मार्ग में सुबह से रात तक निराश्रित गोवंश घूमते देखे जा सकते हैं। सुबह दस बजे से रात 8.30 बजे तक चहल-पहल रहती है, लेकिन गोवंशों के कारण लोग मार्ग से गुजरने में सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं। गोवंश व्यापारिक प्रतिष्ठानों के बाहर जमा हो जाते हैं और व्यापारियों द्वारा हटाने पर भी नहीं हटते हैं गोवंश वहां से आगे तो चले जाते हैं, लेकिन दूसरी दुकानों के बाहर डेरा डाल रहे हैं, जिससे व्यापारियों को सुबह से शाम तक जूझना पड़ रहा है। व्यापारियों को गोवंश के आक्रामक होने का भी डर रहता है।

फहीम की लाश घर आते ही घर में मचा कोहराम

5 दिन पूर्व यूरोप के माल्टा में ब्रेन हेमरेज से हुई थी मौत

फहीम का फाइल फोटो

कासमपुर गढ़ी (चिंगारी)। पास के ग्राम मानियावाला निवासी फहीम सिद्दीकी (50 वर्ष) तीन साल पहले यूरोप के माल्टा चला गया था। वहां वह वाहन चालक का काम करता था। फहीम का सपना था कि कुछ अच्छा कमाकर कर बेटियों की अच्छी तरह से शादी कर पाए, मगर कुदरत को ऐसा मंजूर नहीं था और गत 25 जनवरी को माल्टा में उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई। मौत से 15 दिन पूर्व उसे ब्रेन हेमरेज हुआ था। मौत के 5 दिन बाद जब शुक्रवार को उसकी लाश घर पहुंची तो परिवार में चीख-पुकार मच गई व गांव का माहौल गमगीन हो गया। बीती रात उसे मानियावाला स्थित आबाई कब्रिस्तान में गमगीन माहौल में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। फहीम सिद्दीकी इतना खुश अखलाक शख्स था कि यहां किराए की कार से आने जाने वाले लोग अक्सर उसी की कार बुक किया करते थे क्योंकि वह सवारियों के साथ बेहद अच्छे अखलाक से पेश आता था। तमाम लोगों ने उसके लिए दुआएं मगफिरत की हैं।

सात बार किया हनुमान चालीसा का पाठ

धामपुर (चिंगारी)। नगर की संस्था श्रीमद् हनुमत सेवा समिति पंजीकृत के तत्वावधान एवं बाबा श्री नीब करौरी कृपा कुंज के संस्थापक रामदास महाराज के सान्निध्य में कृष्णा नगर कालोनी के शिव मन्दिर में मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर संगीतमय सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ सामूहिक पूजन से किया गया। कार्यक्रम के मुख्य यजमान मोहित कुमार लक्ष्मी देवी, सुधीर कुमार सुशीला देवी, प्रदीप कुमार कौशिक, शशि कौशिक, सुरेन्द्र सिंह, बाला देवी, टीका राम जैन, अंजू जैन, धीरेन्द्र कुमार चौहान, अखिलेश चौहान, विमला चौहान, धर्मवीर सिंह, सुधीर कुमार, माया देवी रहे। पूजन कार्यक्रम पंडित पवन कौशिक ने मंत्रोच्चारण के बीच संपादित कराया। इस अवसर पर सुभाष चन्द्र कौशिक, पंकज भटनागर, एडवोकेट यतेन्द्र शर्मा, आयुष राज वर्मा, तरुण शर्मा शास्त्री, अनिल चौधरी, मेघराज सिंह प्रजापति, डॉ. अनुज कुमार वर्मा, रीना वर्मा, मेघराज सिंह, महावीर सिंह, ध्रुव वर्मा, मुन्नी देवी, कु. गौरी वर्मा, चेतन सैनी आदि शामिल रहे।

पति, सास, ससुर सहित 9 के विरुद्ध दर्ज कराया मुकदमा

शेरकोट (चिंगारी)। एक विवाहिता ने अपने पति, सास, ससुर सहित ससुराल पक्ष के नौ लोगों पर दहेज में कार लाने के लिए प्रताड़ित करने और तीन तलाक देकर घर से निकालने का आरोप लगाते हुए न्यायालय के आदेश पर मुकदमा दर्ज कराया है। नगर के मौहल्ला खुराड़ा निवासी तसलीम अहमद की पुत्री उमरा परवीन ने प्रार्थना पत्र में बताया कि 30 अक्टूबर 2022 को उसका निकाह स्योहारा थानाक्षेत्र के सहसपुर निवासी शुऐब पुत्र अनीस से हुआ था। इस दौरान उसके परिजनों ने 6-7 लाख रुपए खर्च करने के साथ साथ काफी दान दहेज दिया था। आरोप है कि विवाह के बाद से ही पति व ससुराल पक्ष के लोग दहेज में कार की मांग करते हुए उसके ससुर अनीस, सास सितारा, जेठ शाहजेब, शावेज़, देवर सालिम, शारिक, फिजाइल व नगीना थाना क्षेत्र निवासी नन्द शीबा पत्नी रिजवान शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न करते हैं और चरित्रहीनता का आरोप लगाते है। विवाहिता ने अपने जेठ पर बदतमीजी करने का आरोप भी लगाया है। पीड़िता के अनुसार उसका पति उसे पूना ले गया था, जहां उसने 19 नवंबर 2025 को मारपीट कर और तीन तलाक देकर उसे छोटी बच्ची के साथ घर से निकाल दिया। जिसके बाद वह अपने तयेरे भाई के घर रही और 30 दिसंबर 2025 को अपने परिजनों के पास शेरकोट आ गयी। थानाध्यक्ष वीरेंद्र कुमार ने बताया कि न्यायालय के आदेश पर नौ लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पिता-पुत्रों पर मामला दर्ज

नूरपुर (चिंगारी)। क्षेत्र के गांव रामोरूपपुर निवासी छोटे सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गत 29 जनवरी की शाम उसका भांजा अरजीत सिंह अपने गांव जूझेला से नूरपुर जा रहा था। जब वह क्षेत्र के ग्राम लिंडरपुर पहुंचा, तो वहां पहले से मौजूद अतीक अहमद व उसके तीन पुत्रों आवेश,नाज़िम व गुड्डू ने उसके साथ मारपीट की सूचना पर जब वह उक्त लोगों से मारपीट के विषय में पूछताछ करने पहुंचा तो उन्होंने उसके साथ भी गाली गलौच करते हुए लाठी डंडों से मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने तहरीर पर पिता-पुत्रों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए मामला दर्ज किया है।

रामगंगा प्रकाशन बिजनौर के लिए प्रकाशक, मुद्रक **सूर्यमणि रघुवंशी** ने रघुवंशी प्रिंटर्स, स्वप्न लोक, नई बस्ती बिजनौर में मुद्रित कराकर स्वप्न लोक, नई बस्ती, बिजनौर से प्रकाशित किया।
संस्थापक-**स्व. बाबू सिंह चौहान।**
सम्पादक-**सूर्यमणि रघुवंशी।**
आर. एन. आई. नं. 2417/57
डाक पंजीकरण संख्या- डी.एन./ यू.पी./ बी.जे.एन.-14/2025-27
E-Mail: dainikchingari@gmail.com

सिरदर्द के कारण

माइग्रेन के कारण कई हो सकते हैं। एक तरफ कुछ स्थितियां हैं और दूसरी तरफ कुछ रोग भी होते हैं। ज्यादातर लोगों के माइग्रेन से ग्रस्त होने के कारण भावनात्मक होते हैं। इसीलिए जिन लोगों को हाई या लो ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर और तनाव जैसी समस्याएं होती हैं, उनके माइग्रेन से ग्रस्त होने की आशंका बढ़ जाती है। कई बार तो केवल इन्हीं कारणों से माइग्रेन हो जाता है। इसके अलावा हैंगओवर, किसी तरह का संक्रमण और शरीर में विषैले तत्वों का जमाव भी इसकी वजह हो सकता है। एलर्जी के कारण भी माइग्रेन हो सकता है और अलग-अलग व्यक्तियों में एलर्जी के अलग-अलग कारण हो सकते हैं। कुछ लोगों के लिए खाने-पीने की चीजें भी एलर्जी का कारण बन जाती हैं। कुछ लोगों को दूध और उससे बनी चीजें खाने से एलर्जी होती है तो कुछ के लिए साग-सब्जी एलर्जी का कारण हो सकती है। किसी को धूल से एलर्जी होती है तो किसी को धुएं से। इसलिए अगर आपको पता हो कि आपको किन चीजों से एलर्जी है तो उनसे बच कर रहें। छींक आना और डायरिया एलर्जी के लक्षण हैं। यही नहीं, अगर आपको किसी ऐसे व्यक्ति से बार-बार मिलना पड़े, जिसे आप न पसंद करते हों, तो यह भी सिरदर्द का कारण हो सकता है। ऐसा काम भी माइग्रेन का कारण हो सकता है, जिसे आप पसंद न करते हों। भावनाओं को दबाने से भी माइग्रेन हो सकता है। इसलिए भावनाओं को दबाने के बजाय अपने विश्वस्त लोगों से उनकी साझेदारी करें। कभी-कभी आंखों पर अधिक जोर पड़ने से भी सिरदर्द हो जाता है। इसलिए सिरदर्द का अगर कोई आम कारण समझ में न आए तो किसी नेत्र विशेषज्ञ से मिलना चाहिए। अगर ऐसा हो तो आंखों के कुछ सामान्य व्यायाम से इससे राहत पाई जा सकती है। सर्दी लगना, वायरस और बुखार भी सिरदर्द के कारण बन जाते हैं। इनके अलावा एक वजह आयरन की कमी भी होती है।

संतुलित आहार लें

माइग्रेन में चिकित्सीय इलाज के अलावा संतुलित आहार बहुत जरूरी है। अगर शारीरिक कारणों से माइग्रेन हो तो पहले तो यह समझना चाहिए कि किन तत्वों की कमी या अधिकता के कारण ऐसा हो रहा है। उसके ही अनुसार अपने आहार को संतुलित कर लेना चाहिए। अगर किसी को खाद्य पदार्थों से एलर्जी के कारण माइग्रेन हो तो उसे उन फलों-सब्जियों और अनाज से बचना चाहिए, जिनसे एलर्जी हो सकती है। ऐसा पौष्टिक आहार लें, जिससे रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाई जा सके। रोज योगाभ्यास करें और विचारों को रचनात्मक बनाए रखें। इसके लिए किसी-किसी दिन उपवास करें। उपवास के दौरान पानी में नीबू का रस मिलाकर छह-सात बार लें।

न्यूरोलॉजिकल समस्या है माइग्रेन

सिरदर्द एक जटिल समस्या है। इसकी भयावह चुभन भरी पीड़ा से आदमी ऐसा त्रस्त होता है कि सिर क्या बाकी शरीर का होना भी भूल जाता है। माइग्रेन मूल रूप से तो न्यूरोलॉजिकल समस्या है। इसमें रह-रह कर सिर में एक तरफ कठिन पीड़ादायक दर्द होता है। यह कुछ घंटों से लेकर तीन दिन तक बना रहता है। सिरदर्द के साथ गैस्टिक, जी- मिचलाने, उल्टी जैसी समस्याएं होती हैं। मरीज को बिजली की रोशनी और शोर से भयंकर परेशानी होती है। इस समस्या से छुटकारा दिलाने के लिए अमेरिकी वैज्ञानिकों ने तीन जीनों की खोज की है। इस खोज के बाद मरीजों को काफी हद तक माइग्रेन की समस्या से राहत मिल सकती है।

जिंदगी में सिरदर्द की तकलीफ से हर किसी का कई बार पाला पड़ता ही है। यह एक ऐसा रोग है, जिसके कई कारण हो सकते हैं। कई बार तो ऐसा लगता है जैसे बेवजह सिरदर्द के शिकार हो गए हों। सिरदर्द का एक गंभीर रूप जो बार-बार या लगातार होता है, उसे माइग्रेन कहते हैं। माइग्रेन को आम बोलचाल की भाषा में अधकपारी भी कहते हैं। इसका शिकार होने पर सिर के आधे हिस्से में दर्द रहता है, जबकि आधा दर्द से मुक्त होता है। वैसे फ्रेंच शब्द माइग्रेन का अर्थ भी यही है। यह बात नेचर जेनेटिक्स पत्रिका में प्रकाशित अध्ययन में अमेरिकी शोधकर्ताओं ने कही है। माइग्रेन से संबंधित तीन जीन खोजे जाने के बाद अब इसके इलाज की उम्मीद को बल मिला है। डीएनए के एक हिस्से से इस बात का पता चलता है कि क्यों महिलाओं में माइग्रेन होने की संभावना तीन गुना ज्यादा होती है।

रोशनी में धुंधलापन

जर्नल नेचर जेनेटिक्स की रिपोर्ट के अनुसार हॉर्वर्ड मेडिकल स्कूल के शोधकर्ताओं ने 23,000 रोगियों की जांच की और पाया डीएनए के तीन हिस्से माइग्रेन से जुड़े हुए हैं। जिनमें से कोई जीन सिरदर्द के लक्षणों जैसे चमकती रोशनी या धुंधला दिखाई देने से प्रभावित होता है। शोधकर्ता मारकस शर्क्स ने कहा कि आगे बड़े पैमाने पर अध्ययन के बाद अनुवांशिक माइग्रेन और उसके जोखिम परिणामों के बारे में पता चल सकेगा। कैम्ब्रिज में वेलकम ट्रस्ट सेंगर संस्थान के आर्नो पेलोटी ने कहा कि इस खोज ने इंसान की आम बीमारियों को समझने के लिए नए दरवाजे खोल दिए हैं। दूसरे रिसर्च से पता चलता है कि क्यों रोशनी सिरदर्द को और बदतर बना देती है।

हृदय की समस्या भी

जिन लोगों को माइग्रेन होता है, वह दूसरी स्वास्थ्य समस्याओं से भी ग्रस्त होते हैं। अध्ययनों से पता चला है कि जो लोग इस बीमारी से पीड़ित होते हैं, उनको 25 फीसदी ज्यादा हृदय की समस्या होने की संभावना होती है। माइग्रेन से पीड़ित लोगो में जानलेवा ब्लड क्लोटिंग की संभावना दोगुनी होती है। मालूम हो कि अधिक वजन, धूम्रपान और थोड़ा व्यायाम करने से इस बीमारी के अधिक होने का खतरा बढ़ जाता है।

अभी और शोध की जरूरत

शोधकर्ताओं ने 5 हजार माइग्रेन पीड़ित महिलाओं सहित 23 हजार से अधिक महिलाओं के अनुवांशिक आंकड़ों के परीक्षण के आधार पर यह शोध किया है। शोधकर्ताओं ने अपने इस शोध के परिणामों को उत्साहजनक बताया है। लेकिन उनका मानना है कि ये जीन माइग्रेन से किस प्रकार जुड़े हुए हैं, इसे बेहतर ढंग से समझने के लिए और अधिक शोध की आवश्यकता है।

सिरदर्द का खतरा 15 फीसदी

इन तीन जीन में से किसी एक के माता-पिता से बच्चों में पहुंचने पर भयंकर सिरदर्द का खतरा 10 से 15 फीसदी तक बढ़ जाता है। ये तीन जीन टीआरपीएम8, एलआरपी1 और पीआरडीएम16 हैं। इनमें से पहले जीन की मौजूदगी सर्दी और दर्द के प्रति संवेदनशीलता के लिए जिम्मेदार होती है, जबकि दूसरे जीन की मौजूदगी तंत्रिकाओं में संकेतों के प्रवाह को प्रभावित करती है।

कारणों का समझने में मदद

हार्वर्ड मेडिकल स्कूल के ब्रिगहैम एंड वुमेन्स अस्पताल के शोधकर्ता डेनियल चैसमैन का कहना है कि अब तक माइग्रेन को पूरी तरह से नहीं समझा जा सका था और इसकी वजहों को दूर करना मुश्किल था। तीन नए जीन की खोज से इस बीमारी के जीववैज्ञानिक कारणों को समझने और इस स्थिति के इलाज की दिशा में मदद मिल सकेगी। माइग्रेन एक ऐसी बीमारी है, जिसमें तंत्रिका कोशिकाओं की असामान्य प्रतिक्रिया होती है। इस बीमारी में सिर में अत्यधिक दर्द होता है, इससे अक्सर मितली होती है, प्रकाश और ध्वनि के प्रति संवेदनशीलता बढ़ जाती है।

मुंहासे होने पर आजमाएं

संतरे के छिलकों को छाया में सुखाकर बनाया गया बारीक चूर्ण और बराबर मात्रा में बेसन (अथवा बारीक पिसी हुई मुलतानी मिट्टी दोगुना) मिलाकर मिश्रण बना लें। इस मिश्रण को पन्द्रह मिनट पानी में भिगोने के बाद गाढ़ा घोल बना लें और इसका मुंहासे पर लेप करें। दस मिनट लगा रहने के बाद गुनगुने पानी से चेहरा धो लिया जाए तो इस प्रकार 4-6 सप्ताह के प्रयोग से मुंहासे नष्ट हो जाते हैं।

हाईब्लड प्रेशर से मिलेगी मुक्ति

शरीर में आखिर किस वजह से हाई ब्लड प्रेशर होता है, ब्रिटिश वैज्ञानिकों ने यह जानने का दावा किया है। अब हाई बीपी के इलाज के नए तरीके ढूंढ़े जा सकते हैं। शरीर किस तरह से ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है, इसके एक जरूरी स्टेप के बारे में कैंब्रिज यूनिवर्सिटी और नॉटिंघम यूनिवर्सिटी के रिसर्चरों ने पता लगाया है।

यह भी इस प्रक्रिया में कब गड़बड़ी हो जाती है। स्टडी से जुड़े प्रो. रॉबिन कैरल कहते हैं, हमने मुख्य प्रक्रिया का पहला कदम जान लिया है। रिसर्चरों का मानना है कि इस प्रक्रिया को फोकस में रखकर गड़बड़ियां रोकी जा सकती हैं और हाइपरटेंशन पर काबू पाया जा सकेगा। मौजूदा दवाइयों का फोकस ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने वाली प्रक्रिया के आखिरी स्टेज पर होता है। नई स्टडी से उम्मीद है कि शुरुआती स्थिति में ही हाई ब्लड प्रेशर रोका जा सकेगा। दुनिया भर में लाखों लोग हाइपरटेंशन से परेशान हैं। इससे उन्हें हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा होता है। रिसर्चरों ने यह जानकारी तब हासिल की, जब वे प्री-इक्लेम्पसिया की स्टडी कर रहे थे। प्रेग्नेंसी के दौरान हाई ब्लड प्रेशर की यह स्थिति जच्चा-बच्चा दोनों के लिए जानलेवा हो सकती है। ब्लड प्रेशर पर कंट्रोल एंजियोटेंसिन नाम के हार्मोन्स के जरिए होता है। इसकी बड़ी डोज रक्त नलिकाओं को सिकोड़ देती है, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। 20 बरस से स्टडी कर रहे वैज्ञानिकों का कहना है कि हमने इन हार्मोन्स के विकास का पहला स्टेप ढूंढ़ लिया है। अब हम ऐसा इंतजाम करेंगे, जिससे यह हार्मोन अधिक मात्रा में विकसित हो। इससे हाई ब्लड प्रेशर की शुरुआत को ही रोका जा सकेगा। महज 10 साल में गोली भी आ सकती है। प्री-इक्लेम्पसिया का भी नया इलाज ढूंढ़ा जा सकता है।

ध्वनि चिकित्सा के प्रभाव

प्राचीन काल से तारयुक्त यंत्रों का प्रयोग धार्मिक संगीतों को बजाने के लिए एवं पूजा-अनुष्ठानों के संगत व सहायता, चिंतनों, योगासनों के लिए किया जाता रहा है। आजकल ध्वनि चिकित्सा का प्रचलन तेजी से बढ़ता जा रहा है। ध्वनि चिकित्सा के माध्यम से विभिन्न रोगों का इलाज किया जा रहा है। इससे रोगियों को कई बीमारियों से छुटकारा मिला है। ध्वनि चिकित्सा की उत्पत्ति ध्वनि के योग, नाद-योग के साथ-साथ योग के गहन विश्राम, योग-निद्रा से मानी जाती है। चिरकाल से तारयुक्त भारतीय यंत्रों की ध्वनियों का प्रयोग उपचार एवं सामंजस्य के लिए किया जाता रहा है।

ध्वनि चिकित्सा तनावों एवं दबावों के द्वारा उत्पन्न अवरोधों से आराम प्रदान करता है। शांतिपूर्ण मन की गहन अवस्था में पहुंचना स्वत: उपचार करने वाली शक्तियों को पुन: स्फूर्तियुक्त एवं प्रत्यावर्तित करता है।

नर्म मालिश का अहसास

ध्वनि एक नर्म मालिश प्रदान करता है, जो कमोबेश आंतरिक शरीर में गहन रूप से प्रवेश करता है। यह तनाव मुक्ति के व्यायामों के प्रयोग से श्रोता पोषक एवं उपचारात्मक स्वरों के लिए मार्ग प्रशस्त करता है। संगीत एक विस्तृत आत्मबोधन की ओर अग्रसर करता है। यह आंतरिक अनुभव को सक्रिय करता है एवं किसी के अपने आंतरिक संसाधनों तक नई अभिगम्यता का पता लगाने में मदद करता है। शरीर के सभी अंगों एवं इन्द्रियों को शांति तक पहुंचने में शायद ही निद्रा मिले। इस गहन विश्राम के लिए वास्तविक जीवंत संगीत का अनुभव अत्यंत महत्वपूर्ण है।

रुद्र वीणा से चिंतनशीलता जागृत

बीन या रुद्र वीणा एक सितार जैसा वाद्य है एवं भारत के प्राचीनतम शास्त्रीय वाद्य-यंत्रों से संबंधित है। पारंपरिक कहावतों के अनुसार जब शिव ने अपनी पत्नी पार्वती की सुन्दरता का ध्यान किया तो उन्होंने इसकी रचना की। रुद वीणा लोकप्रिय सितार का एक आरंभिक रूप है एवं इसे भारतीय तारयुक्त वाद्य-यंत्रों की जननी तथा रानी कहा जाता है। मंद्र एवं अधिस्वर से समृद्ध रुद वीणा सदियों से मन की चिंतनशील अवस्था को जगाने के लिए एक आदर्श संगीत वाद्य-यंत्र रहा है। इसकी ध्वनि आवृत्तियों के कारण अवरोधों को प्रभावशाली रूप से एक पूर्णतया सरल विधि से दूर करना संभव है।

इन चीजों से रखें परहेज

इसमें हाल में सेवन किए जाने वाले खाद्य पदार्थों में ताजे फल और जूस (सेब, अंगूर, गन्ना, नींबू का रस, नारियल पानी), सब्जियां (मूली, पालक, बंद-गोभी, खीरा, चुकंदर, टमाटर, करेला) और सब्जियों से प्रोटीन (दाल, मटर, फलियां और मेवे) शामिल हैं। यह बेहतर है कि तले हुए खाद्य पदार्थ, नमकीन, अचार, जंक फूड, कंसंट्रेटेड चीनी, एल्कोहल और लाल मांस खाने से बचना चाहिए।

ऐसा करने से मिलेगा फायदा

सिरोसिस में जो कई लीवर रोगों की अंतिम अवस्था है शुरू में कोई लक्षण नहीं देखने को मिलते हैं, लेकिन नमक और पानी के अवरोधन से पेट और लिंब्स में सूजन आ जाती है। हेपेटाइटिस में दी जाने वाली खुराक के अलावा नमक और पानी की मात्रा सावधानी के साथ सीमित कर दी जानी चाहिए। रोजाना 1,500 मिली (सात गिलास) लिक्विड के साथ एक चम्मच नमक, शाकाहारी भोजन लेना ठीक रहता है, क्योंकि पशु प्रोटीन से रक्त में अमोनिया के संचय से लीवर कोमा में चला जाता है।

ऊर्जा, जब जरूरत हो

लीवर अपने अंदर ऊर्जा को बनाए रखता है। खासकर इसके अंदर शुगर (कार्बोहाइड्रेट्स, ग्लूकोज और फैट्स) स्टोर रहते हैं, जिससे यह एक बैटरी की तरह काम करता है। यही कारण है कि कई बार जब हम व्रत में होते हैं या पर्याप्त मात्रा में शकरयुक्त पदार्थ नहीं लेते तो भी हमारी आवश्यकतानुसार ऊर्जा हमें लीवर के जरिये मिल जाती है। ऐसा नहीं होता तो हम बहुत जल्द कोमा में चले जाते।

स्वस्थ लीवर के लिए

- पर्याप्त मात्रा में ताजे फल और हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन।
- ढेर सारा पानी (उबला हुआ या बोतलबंद), फलों का जूस।
- अत्यधिक तले हुए भोजन से बचने की कोशिश करें।
- सही मात्रा में एल्कोहल का सेवन करें।
- बेकार की दवाएं न खाएं।

संक्रमण और रक्तस्राव से बचाता है लीवर

आज की भागमभाग जिंदगी व खानपान की वजह से लीवर, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, कोलेस्ट्रॉल, थायरॉइड, मोटापा आदि बीमारियां तेजी से जन्म ले रही हैं। इनमें लीवर की समस्या गंभीर रूप में उभरकर सामने आई है। लीवर का विशेष ध्यान रखकर आप इस समस्या से छुटकारा पा सकते हैं।

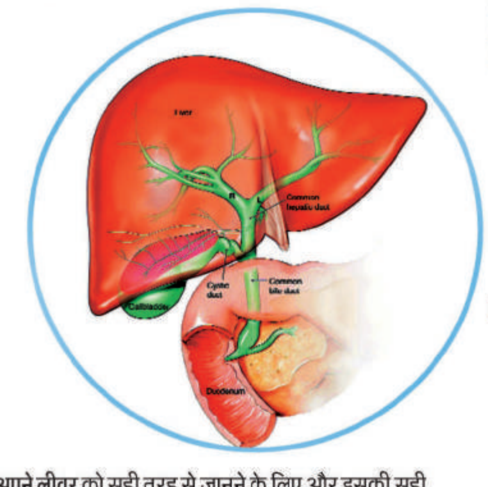

अपने लीवर को सही तरह से जानने के लिए और इसकी सही देखभाल करने के लिए यह जरूरी है कि आप सबसे पहले यह जानें कि आपका लीवर क्या भूमिका निभाता है और यह कैसे हमारे शरीर का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। डेढ़ किग्रा का लीवर हमारे ऊपरी उदर के दाईं ओर स्थित होता है और यह खाए गए भोजन को संसाधित करता है, जिसके बाद इसे अंतड़ियां अवशोषित कर लेती हैं। यह कार्बोहाइड्रेट्स को ग्लाइकोजन के रूप में जमा करके रखता है और जब भी जरूरत होती है, यह तुरंत ही इसे ग्लूकोज के रूप में स्त्रावित कर देता है। हमारे द्वारा लिए गए नुकसानदायक पदार्थों को यह निष्क्रिय कर देता है और प्रोटीन पैदा करता है, जो हमें संक्रमण और रक्तस्राव से बचाता है। हम क्या खाते हैं और कैसा जीवन जीते हैं, उनमें मामूली सुधार कर के यह संभव है कि हम अपने लीवर को स्वस्थ रख सकें।

स्टोर हाउस

लीवर अपने अंदर आयरन और जरूरी विटामिंस व मिनरल्स स्टोर करने का काम करता है। अत: लीवर ही आगे बढ़ने व शरीर के सारे कामों को करने की ताकत देता है।

खाना पचाता है

लीवर बाइल ल्यूस बनाता है, जिससे खाने को पचाने में मदद मिलती है। इसके अलावा आपके शरीर में अनावश्यक पदार्थ को बाहर निकालना काफी मुश्किल होगा।

विषमुक्त करता है

लीवर ही शरीर के अंदर प्रवेश करने वाले जहरीले पदार्थों से शरीर को मुक्त करने का काम करता है। शराब, बीयर, ड्रग्स जैसे केमिकल्स से लीवर ही हमें बचाता है। लीवर न होता तो हम अपनी बुरी आदतों से कब के मर चुके होते।

खून बनाता है

लीवर में खून या रक्त कोषिकाएं बनती हैं, जो हमारे जीवन के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है।

बढ़ने के लिए जरूरी

लीवर ही जरूरी व नए प्रोटींस का निर्माण करता है, जिससे आप स्वस्थ तरीके से बढ़ सकते हैं। इसके बिना आपकी सही तरीके से बढ़त भी नहीं हो सकती। हमारी खुराक में लगभग 40 फीसदी कच्चे फल और सब्जियां शामिल होने चाहिए, जो इसके फाइबर संबंधी सामग्री में इजाफा करते हैं, वसा को अवशोषित करने और पेट की सफाई करने का काम करते हैं। अच्छा वसा (ये जरूरी फैटी एसिड होते हैं जो फिश ऑयल सरीखे खाद्य पदार्थों में मिलते हैं) शरीर की प्रत्येक कोशिका में मौजूद झिल्ली और लीवर के सही कार्य करने के लिए जरूरी होते हैं।

जहर को रखता है दूर

लीवर ही हवा में घुले जहरीले पदार्थों को शरीर में प्रवेश करने पर साफ करता है, जिससे ये हमारे अंदर जहर के फैलाव को आसानी से होने से रोकता है।

करता है रक्षा

किसी तरह की चोट या घाव लगने पर लीवर ही खून को जमने में मदद करता है, इसलिए यह अत्यधिक रक्तस्राव को रोक हमें कमजोर होने से बचाता है।

बचाता है संक्रमण से

लीवर ही हमारे अंदर प्रवेश करने वाले कीटाणुओं से हमारी रक्षा करता है या तो ये इन्हें कमजोर कर देता है या मार देता है। ऐसा नहीं होता तो हमें बहुत ही आसानी से संक्रमण होने का खतरा होता।

कैसे पहुंचता है नुकसान

अच्छे और स्वस्थ लीवर के लिए कार्बोहाइड्रेट, वसा और प्रोटीन के सही संयोग वाला आहार जरूरी है। वसा और एल्कोहल के रूप में ढेर सारी कैलोरी लेने के कारण यह लीवर के इर्द-गिर्द जमा हो जाएगी, जिससे कोशिकाओं संबंधी क्षति हो सकती है और इसके महत्वपूर्ण कार्यों में व्यवधान डाल सकती है।

विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारी में भाजपा, विधायकों की परफॉर्मेंस पर होगा दूसरा चरण का सर्वे

लखनऊ (एजेंसी/चिंगारी)। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में पार्टी विधायकों और संभावित प्रत्याशियों की जमीनी परफॉर्मेंस और मणिकर्णिका घाट, प्रयागराज में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद और यूजीसी बिल के बाद जनता में पनपे असंतोष का आकलन करने के लिए दूसरे चरण का सर्वे जल्द शुरू करने जा रही है।

सूत्रों के अनुसार, यह नया सर्वे फरवरी के दूसरे‌-तीसरे सप्ताह से शुरू होगा। खास बात यह है कि दूसरे चरण का सर्वे पहले से अलग एक स्वतंत्र एजेंसी के माध्यम से कराया जाएगा, जबकि पहले चरण की सर्वे रिपोर्ट पहले ही पार्टी नेतृत्व के पास मौजूद है। दोनों एजेंसियों की रिपोर्ट का आपस में मिलान कर निष्कर्ष निकाले जाएंगे, ताकि किसी भी तरह के पक्षपात की गुंजाइश न रहे। इसी उद्देश्य से भाजपा ने 'दोहरा सर्वे मॉडल' अपनाया है। भाजपा इस सर्वे के तहत प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों का आकलन कराएगी। इसके साथ ही सहयोगी दलों की सीटें भी सर्वे में शामिल होंगी। रालोद, सुभासपा, अपना दल (एस) और निषाद पार्टी के प्रभाव वाली विधानसभा सीटों पर भी विशेष नजर रखी जाएगी। सर्वे के दौरान केवल विधायकों तक सीमित न रहकर जिलों में छोटे स्तर के पदाधिकारियों से भी फीडबैक लिया जाएगा। इसके अलावा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ताओं से बातचीत, सार्वजनिक स्थानों पर आम जनता से संवाद और विभिन्न वर्गों से रायशुमारी की जाएगी। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, सर्वे में विधायकों और संभावित उम्मीदवारों की छवि, जनसंपर्क, कार्यशैली और लोकप्रियता का विस्तृत आकलन किया जाएगा। युवा, महिलाएं, व्यापारी, डॉक्टर और शिक्षक जैसे प्रमुख वर्गों से फीडबैक लेकर संगठन और चुनावी रणनीति को और धार देने की तैयारी है। भाजपा नेतृत्व इस सर्वे के जरिए जमीनी हकीकत समझकर समय रहते जरूरी बदलाव करने के मूड में है, ताकि 2027 के चुनाव में पार्टी को मजबूत स्थिति में रखा जा सके। सूत्रों की मानें तो 400 से ज़्यादा सर्वे एजेंट विधानसभा चुनावों के लिए काम करेंगे। सर्वे एजेंट में दिल्ली यूनिवर्सिटी के पॉलिटिकल साइंस के छात्र, आईआईएम लखनऊ और आईआईटी कानपुर के छात्र शामिल हैं। भाजपा के एक वरिष्ठ प्रदेश पदाधिकारी ने बताया कि प्रोफेशनल्स के ज़रिए सर्वे कराने से उम्मीदवार, इलाके, सामाजिक समीकरण, अंदरूनी विरोध और दूसरे मामलों से जुड़े मुद्दों की गहराई को समझने में मदद मिलती है। पदाधिकारी ने बताया, दूसरे चरण के सर्वे के विभिन्न मुद्दों को भी शामिल किया जाएगा। मणिकर्णिका घाट पर हुई कथित तोड़फोड़ को लेकर उठे विवाद, प्रयागराज में शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद का सरकार का विरोध और हालिया यूजीसी विवाद को लेकर केंद्र सरकार और राज्य सरकार के ख़िलाफ़ समान्य वर्ग में पैदा हुए असंतोष की वजह से होने वाले संभावित नुक़सान का आकलन भी किया जाएगा।

उड़ान में यूपी बना 'मोस्ट प्रोएक्टिव स्टेट', एयर कार्गो से लेकर बढ़ी यात्रियों की उड़ान

लखनऊ (एजेंसी/चिंगारी)। उत्तर प्रदेश ने विमानन क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। रीजनल कनेक्टिविटी स्कीम (आरसीएस-उड़ान) के तहत उत्तर प्रदेश को नॉन-प्रायोरिटी एरिया श्रेणी में 'मोस्ट प्रोएक्टिव स्टेट' का राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया है। यह सम्मान प्रदेश में हवाई कनेक्टिविटी के तेज विस्तार और प्रभावी नीति क्रियान्वयन का प्रमाण है। प्रदेश में योगी सरकार ने सत्ता संभालने के बाद कनेक्टिविटी को विकास का आधार बनाया। हवाई अड्डों के आधुनिकीकरण, नई रनवे सुविधाएं, नाइट लैंडिंग और क्षेत्रीय उड़ानों को प्रोत्साहन देकर छोटे शहरों को देश के प्रमुख महानगरों से जोड़ा गया। इसका सीधा असर यात्री आंकड़ों में दिख रहा है। उत्तर प्रदेश सिविल एविएशन के डायरेक्टर ईशान प्रताप सिंह के अनुसार, वर्ष 2016 में प्रदेश में 59.97 लाख हवाई यात्री थे, जो 2024 में बढ़कर 1.28 करोड़ और 2025 में 1.55 करोड़ से अधिक हो गए। बीते नौ वर्षों में लगभग 9.98 प्रतिशत की सीएजीआर से यात्री यातायात में वृद्धि दर्ज की गई है। घरेलू यात्रियों की संख्या 2016 के 52.30 लाख से बढ़कर 2025 में 1.41 करोड़ से अधिक पहुंच गई, जबकि अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की संख्या 7.66 लाख से बढ़कर 13.37 लाख हो गई। एयर कार्गो सेक्टर में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई है। वर्ष 2016 में 5,895 मीट्रिक टन रहा एयर कार्गो 2025 में बढ़कर 29,761 मीट्रिक टन हो गया। इससे कृषि उत्पादों, एमएसएमई और निर्यात आधारित उद्योगों को नई गति मिली है। उन्होंने कहा कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (जेवर) सहित नए और क्षेत्रीय एयरपोर्ट उत्तर प्रदेश को विमानन व लॉजिस्टिक्स हब के रूप में स्थापित कर रहे हैं। 'उड़े देश का आम नागरिक' का सपना योगी सरकार के मार्गदर्शन में साकार हो रहा है। 'मोस्ट प्रोएक्टिव स्टेट' का सम्मान प्रदेश की विकासोन्मुख नीति और मजबूत राजनीतिक इच्छाशक्ति की राष्ट्रीय मान्यता है।